राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

Rashtriya Swayamsevak Sangh

अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा - कर्णावती

Akhil Bharatiya Pratinidhi Sabha - Karnavati

युगाब्द: 5123
फाल्गुन शुक्ल 9-10
11-13 मार्च, 2022

Yagabda: 5123
Falgun Shukla 9-10
11-13 March, 2022

वार्षिक प्रतिवेदन 2021-22

Annual Report 2021-22

मा. सरकार्यवाह
श्री दत्तात्रेय होसबाले
द्वारा प्रस्तुत

Presented by
Ma. Sarkaryawah
Shri Dattatreya Hosabale

कृपया 11 मार्च, 2022 से पूर्व प्रकाशित न करें

हिन्दु धर्म आचार्य सभा के परम श्रद्धेय संतो के साथ पू. सरसंघचालक जी

अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा - कर्णावती

वार्षिक प्रतिवेदन : 2021-22

अनुक्रम

कार्यस्थिति / Status of Work | 02

परम पूजनीय सरसंघचालकजी का प्रवास | 04

माननीय सरकार्यवाहजी का प्रवास | 05

कार्य विभागों के बढ़ते चरण | 06

प्रभावी होती गतिविधियाँ | 08

प्रान्तों के विशेष कार्यक्रम | 11

राष्ट्रीय परिदृश्य | 19

English Report | 22-40

हम लोगों को हमेशा सोचना चाहिए कि
जिस कार्य को करने का हमने प्रण किया है
और जो उद्देश्य हमारे सामने है, उसे प्राप्त
करने के लिए हम कितना काम कर रहे हैं?
जिस गति से तथा जिस प्रमाण से हम अपने
कार्य को आगे बढा रहे हैं, क्या वह गति या
प्रमाण हमारी कार्य सिद्धि के लिए पर्याप्त है?

– प. पू. डॉ. हेडगेवार

कार्यस्थिति / Status of work

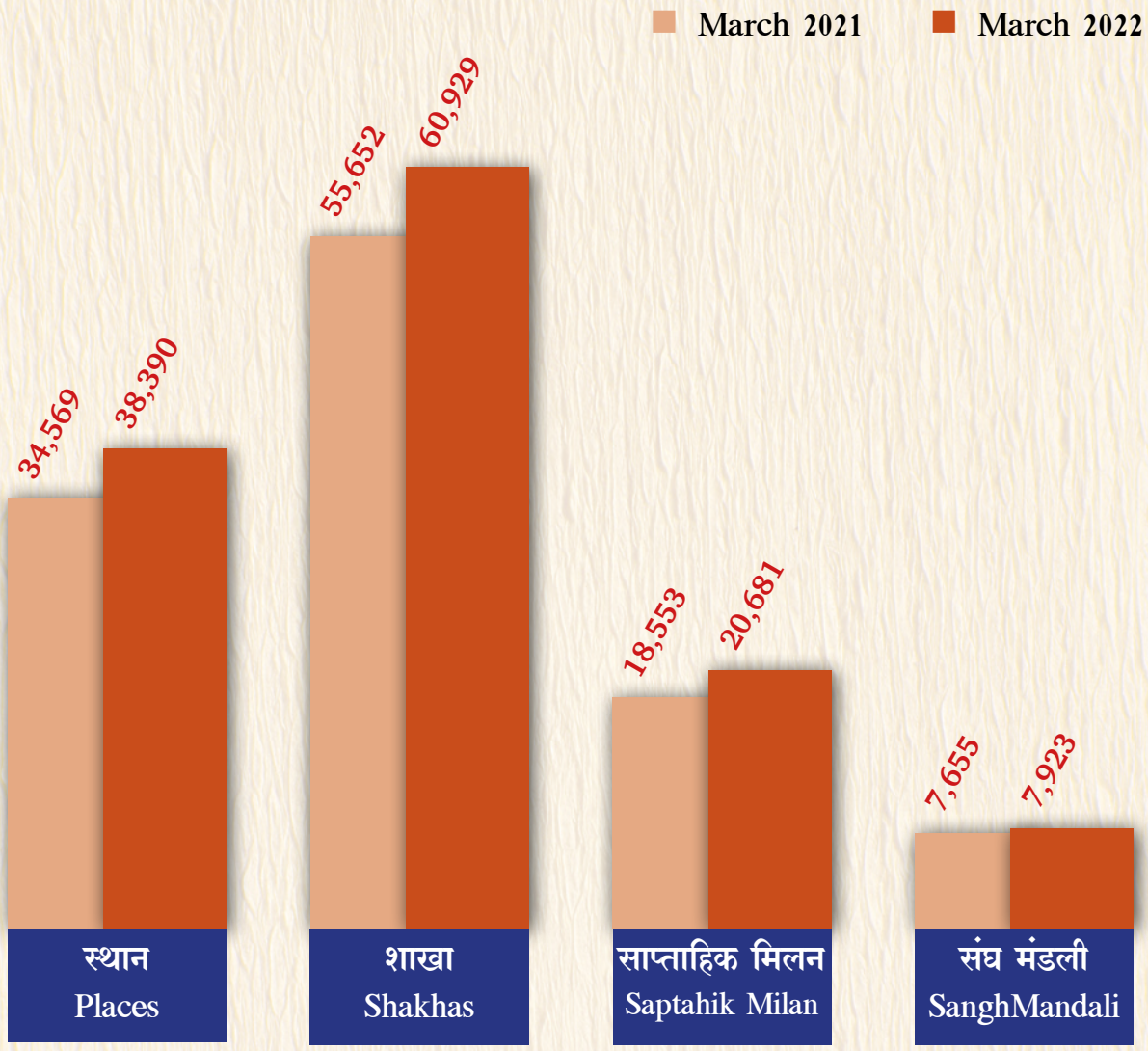

प्रस्तावना

परम पूजनीय सरसंघचालक जी, सभी माननीय अखिल भारतीय पदाधिकारी, अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल के सदस्य गण, केंद्रीय प्रतिनिधि बंधु, यहाँ उपस्थित क्षेत्रों तथा प्रान्तों के माननीय संघचालक, कार्यवाह, प्रचारक तथा टोली के अन्य सदस्य, क्षेत्र तथा प्रान्त कार्यकारी मंडल के कार्यकर्ता वृंद, निमंत्रित बंधु भगिनी, आप सभी महानुभावों का गुजरात के पिराणा में स्थित प्रेरणा पीठ के इस रमणीय परिसर में आयोजित अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत है।

विगत दो वर्षों में भारत सहित समूचे विश्व ने एक विकट परिस्थिति का सामना किया। कोविड-19 महामारी के इस वैश्विक चुनौती काल में मानव समुदाय को कई प्रकार के संकटों को झेलना पड़ा। भारत में तीसरी लहर की गंभीरता और उसका आघात अपेक्षाकृत कम प्रभावी रहने से कुछ राहत अवश्य मिली। अब परिस्थिति में सुधार की आशा जगी है। जन-जीवन धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में पहुँचने का अनुभव हो रहा है। इसी कारण गत दो वर्षों की तुलना में इस प्रतिनिधि सभा में हम इतनी बड़ी संख्या में अधिकतम कार्यकर्ता एकत्र हुए हैं, यह अतीव आनंद की बात है। सभी सहमत हैं कि परिस्थिति पूर्ववत लगने पर भी हम को महामारी के संदर्भ में आवश्यक सावधानी बरतनी चाहिए।

गत एक वर्ष में अपने संगठनात्मक कार्य, उत्सवों के आयोजन, कार्यकर्ता प्रशिक्षण जैसे विभिन्न आयामों में कोरोना पूर्व की भांति गति एवं उत्साह दिखाई दिया। परिणामस्वरुप कार्य में वृद्धि का भी संकेत मिला है। प्रगति के उस चित्र की कुछ विशेष बातों का उल्लेख इस प्रतिवेदन में करने का प्रयास किया है।

अत्यंत दुःखद है कि पिछले दिनों राष्ट्र जीवन में, समाज में तथा अपने संगठन में महत्वपूर्ण योगदान दिए कई महानुभावों का, सेना - सुरक्षा कर्मीयों का एवं अपने सहयोगियों का आयु, अस्वस्थता अथवा दुर्घटना जैसे विविध कारणों से देहावसान हो गया। हम से बिछुड़ गये ऐसे व्यक्तियों की पुण्य स्मृति में हम श्रद्धांजलि समर्पित करते हैं।

पूजनीय सरसंघचालकजी का प्रवास

परम पावन दलाई लामाजी के साथ

वर्ष 2021 - 22 के प्रवास में 21 प्रान्तों के प्रवास दरम्यान संगठन श्रेणी, जागरण श्रेणी, प्रान्त टोली और सभी प्रचारक बंधुओं के साथ बैठक संपन्न हुई। साथ ही स्थानिक कार्यक्रम की योजना मे 15 प्रान्तों में प्रबुद्धजन गोष्ठी का आयोजन हुआ। जम्मू में प्रबुद्धजनों के सामने वर्तमान परिस्थिति में हमारी भूमिका विषय पर मार्गदर्शन हुआ। लगभग 700 संख्या उपस्थित रही। धर्मशाला में पूर्व सैनिक बंधुओं का एकत्रीकरण हुआ। 562 पूर्व सैनिक उपस्थित थे।

देश के प्रमुख 7 शहरों में — 1) आर्थिक चिंतन 2) हिंदू चिंतन एवम् दृष्टी 3) प्रकृती, पर्यावरण 4) महिला, जीवन मूल्य संरक्षण इन विषयों पर भाषण के कार्यक्रम हुए।

प्रवास योजना में पुरी के शंकराचार्य पूज्य निश्चलानंद सरस्वती जी, सूरत के पू. गच्छाधिपति आचार्य भगवंत श्री. विजय अभयदेव सुरीश्वर महाराज एवं परम पावन दलाई लामा जी से आशिर्वाद प्राप्त हुए।

भाग्यनगर स्थित श्री रामानुजाचार्य की मूर्ति प्रतिष्ठापना निमित्त आयोजित संत सभा में सहभागी हुए।

संगीत क्षेत्र के उस्ताद अमजद अली खान और बाड़मेर, राजस्थान के गायक पद्मश्री अनवर खान जी, ओडिशा के प्रख्यात शिक्षाशास्त्री श्री रजत कर जी, प्रसिद्ध बालुका शिल्पी श्री सुदर्शन पट्टनायक जी से मिलना हुआ।

गोवर्धनपीठ पूरी के पू. शंकराचार्य के आशीर्वाद लेते हुए

माननीय सरकार्यवाहजी का प्रवास

वर्ष 2021-22 में 19 प्रान्तों में प्रवास हुआ। सभी प्रान्तों में संगठनात्मक बैठकें हुईं। कार्यकर्ताओं की उपस्थिति का प्रमाण औसतन 85% रहा। कुछ प्रान्तों में संघ परिचय वर्ग हुए। मध्यभारत, हरियाणा, गुजरात, उत्तर बिहार, दिल्ली, कानपुर, जयपुर, तेलंगाना, कर्नाटक दक्षिण, उत्तर असम आदि प्रान्तों में स्वयंसेवक एकत्रीकरण हुए। कर्णाटक दक्षिण (मंगलूरु) में गुणवत्तापूर्ण पथसंचलन के कार्यक्रम हुए। अनेक स्थानों पर पूर्ण गणवेश में कार्यकर्ताओं का अच्छी संख्या में एकत्रीकरण भी हुए।

- 5 प्रान्तों में कुटुम्ब स्नेह मिलन, 4 प्रान्तों में प्रबुद्ध जन संवाद तथा प्रशासनिक सेवाओं से सेवानिवृत्त अधिकारियों के साथ संवाद के कार्यक्रम भी हुए।
- 27 जून 2021 को बौद्धिक विभाग के द्वारा ऑनलाइन बौद्धिक वर्ग में उद्बोधन हुआ।
- महाकौशल प्रान्त में सेवा विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया था।
- कर्नाटक दक्षिण प्रान्त में शैक्षणिक संस्था प्रधानों के साथ "नई शिक्षा नीति 2020 एवं शिक्षा में नवाचार" विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया था।
- स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भोपाल के अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् कार्यालय में झंडावंदन किया।
- भोपाल में "मातृभाषा मंच" के तत्वावधान में विविध प्रान्तों के भाषा-भाषियों के साथ संवाद एवं विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ।
- मेघालय, मिज़ोरम, नागालैंड एवं चाय बागान क्षेत्र की विविध मुद्दों पर चर्चा हेतु चिंतन बैठकें आयोजित की गई थी।
- गुवाहाटी की अम्बेडकर बस्ती में भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर जी की नवनिर्मित प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।
- कोलकाता पोर्ट से 1873 से 20 वीं शताब्दी तक भारत से सूरीनाम आदि अनेक देशों में गिरमिटिया मजदूर के रूप में गए भारतीयों की स्मृति में बने माई बाप स्मारक पर पुष्पार्चन किया।

गुरु तेग बहादुरजी के ४००वे प्रकाश वर्ष पर
दिल्ली के गुरुद्वारा शीशगंज साहिब में

भारत रत्न डॉ. आम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण

कार्य विभागों के बढते चरण

शारीरिक शिक्षण विभाग

प्रति 5 वर्ष में होने वाला अ. भा. शारीरिक वर्ग 17 - 22 अक्तूबर 2021 को अयोध्या में संपन्न हुआ। सभी प्रान्तों से कुल 10 शारीरिक विषयों के कार्यकर्ता अपेक्षित थे। 452 कार्यकर्ता सहभागी हुए। 50 नए खेल, सामूहिक समता के 20 नए प्रयोग तथा अनीकिनी समता का 1 नया प्रयोग हुआ।

इस वर्ष प्रहार महायज्ञ में कुल 36,063 शाखा, 4938 साप्ताहिक मिलन से 4,76,375 स्वयंसेवकों ने 24,87,13,509 प्रहार लगाए।

बौद्धिक शिक्षण विभाग

बौद्धिक विभाग की अ. भा. बैठक 28 - 29 अगस्त 2021 को जयपुर में संपन्न हुई। अ. भा. टोली तथा क्षेत्र के बौद्धिक प्रमुख उपस्थित थे। 9 कार्यकर्ताओं को मिलाकर प्रान्तश: प्रवास हुआ। दिल्ली में प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने की कार्यशाला हुई, जिसमें 39 प्रान्तों के 53 कार्यकर्ता थे। मुम्बई में संपन्न दृक श्राव्य कार्यशाला में 33 प्रान्तों से 55 कार्यकर्ता सहभागी हुए। इस वर्ष प्रत्यक्ष तथा आभासी माध्यम - दोनों प्रकार से हुए प्रबोधनात्मक कार्यक्रम में 24,667 स्थानों से 6,67,705 कार्यकर्ता, प्रशिक्षणात्मक कार्यक्रमों में 11,373 स्थानों से 1,50,716 कार्यकर्ता, प्रतियोगितात्मक कार्यक्रम में 5862 स्थानों से 1,38,696 कार्यकर्ता तथा स्वाधीनता अमृत महोत्सव कार्यक्रमों में 12,261 स्थानों से 7,94,348 कार्यकर्ता सहभागी हुए। विभिन्न प्रान्तों में संचलन गीत स्पर्धा, दीर्घ कहानी निवेदन, समाचार समीक्षा इन विषयों के कार्यक्रम संपन्न हुए।

सेवा विभाग

नगरों की 10,704 व्यवसायी शाखाओं में सेवा कार्यकर्ताओं की नियुक्ति हो गयी है। 9,953 सेवा बस्तियों का शाखाओं ने सर्वांगीण विकास करने का निर्णय लिया है। इस वर्ष नगरों की व्यवसायी शाखा कार्यकर्ताओं के बीच शाखा द्वारा सेवा कार्य की संकल्पना रखी गयी।

इस वर्ष 29 प्रान्तों में शाखाओं ने सेवा सप्ताह मनाया जिसमें विविध सेवा उपक्रम किये गए।

इसके अतिरिक्त पूरे वर्ष में किये गए सेवा उपक्रमों की संख्या 28,866 है।

3 वर्ष पूर्व प्रारम्भ सेवागाथा अब 6 भाषाओं - हिंदी, मराठी, कन्नड़, गुजराती, तेलुगु व अंग्रेजी में एप व वेबसाइट पर उपलब्ध है।

कुल नियमित सेवा कार्य की संख्या मातृसंगठन + सेवा भारती की संख्या 19,927 + 41,955 = 61,882 है।

कोविड तीसरी लहर हेतु पूर्व तैयारी की गयी। पूर्व सावधानी, समाज जागरण तथा ग्राम आरोग्य कार्यकर्ता (महिला, पुरुष) प्रशिक्षण में सहभागी हुए। निरामय किट वितरण अनेक स्थानों पर हुआ।

2021- 2022 में कोविड की तृतीय लहर की तीव्रता के समय ब्लड बँक एवं चिकित्सालयों में रक्त की निरन्तर उपलब्धता निश्चित की गई और अनेक स्थानों पर रक्त उपलब्ध कराया गया।

घुमन्तु लोगों के बीच सेवा कार्य

सम्पर्क विभाग

इस वर्ष क्षेत्र सम्पर्क प्रमुख तथा अ. भा. टोली की 5 बैठकें संपन्न हुई। 36 प्रान्तों में विभाग प्रशिक्षण वर्ग हुए। महिला कार्यकर्ताओं का सहभाग 41 प्रान्तों की सम्पर्क टोली में है।

विभिन्न प्रान्तों में सम्पर्क सूची के चयनित लोगों के लिए 54 से अधिक चर्चा-विमर्श कार्यक्रम सम्पन्न हुए। इसमें पूर्व न्यायाधीश, प्रशासकीय अधिकारी, वरिष्ठ सेना अधिकारी सम्मिलित थे।

कोरोना काल में सम्पर्क विभाग के कार्यकर्ताओं ने पुणे महानगर में Pune Platform for Covid Response द्वारा कार्य किया। पू. सरसंघचालक जी ने PPCR के कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया। दिल्ली प्रान्त ने Positivity Unlimited के माध्यम से देश के 13 विद्वजनों के सन्देश प्रसारित किये। Covid Response Team में 71 पूर्व राजदूत सहित अनेक गणमान्य सज्जन सेवाकार्य से जुड़े।

कोरोना काल में संघ ने किये सेवाकार्य की जानकारी एकत्रित कर 'वयम् राष्ट्रांग भूता' शीर्षक की एक कॉफी टेबल बुक बनाई गयी। इसे सभी प्रान्तों के 4,179 महानुभावों को मिलकर भेंट किया गया।

श्री राम मंदिर निधि समर्पण अभियान में भी अ. भा. सूची के अधिकतम महानुभावों का सहभाग रहा।

प. बंगाल में चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद हुई हिंसा की सही जानकारी देने हेतु देश के 44 प्रान्तों में 163 कार्यक्रम हुए। 18,725 महानुभाव सहभागी हुए। महामहिम राष्ट्रपति से लेकर विभिन्न राज्यों के माननीय राज्यपाल को ज्ञापन दिया गया। इसमें देशभर से 4,027 कार्यकर्ता जुड़े।

सम्पर्क विभाग की विविध श्रेणी के दीपावली मिलन सभी क्षेत्रों में संपन्न हुए। पश्चिम क्षेत्र के कार्यक्रम में मा. सरकार्यवाहजी का उद्बोधन हुआ।

प. पू. सरसंघचालकजी का मार्गदर्शन सम्पर्क विभाग की रचनानुसार 11 स्थानों पर प्राप्त हुआ।

प्रचार विभाग

प. पू. सरसंघचालकजी का प्रवास दिल्ली और भाग्यनगर में सम्पन्न हुआ। दिल्ली में एक बैठक प्रतिष्ठित प्रकाशन संस्थाओं के प्रमुखों के साथ 8 सितंबर 2021 को सम्पन्न हुई जिसमें 12 प्रकाशन संस्थाओं के प्रमुख उपस्थित हुए। 8 सितंबर को ही दूसरी बैठक में फिल्म प्रशिक्षण संस्थानों के कुलपति और निदेशक आमंत्रित किये गये थे। 11 संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। 18 अक्तूबर, 2021 को तीसरी बैठक में देशभर के चयनित मीडिया प्रशिक्षण संस्थानों के कुलपति, निदेशक व विभागाध्यक्ष आमंत्रित किए गए थे। इस बैठक में 32 संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने उपस्थित रहकर सार्थक चर्चा में भाग लिया।

भाग्यनगर में 18 जनवरी 2022 को प्रमुख मीडिया संस्थाओं (प्रिंट व इलेक्ट्रोनिक) के सम्पादकों की बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें 16 सम्पादक उपस्थित हुए। एक अन्य बैठक में तेलुगू फिल्म उद्योग जगत के निर्माता, दिग्दर्शक आमन्त्रित किये गये थे, जिसमें 39 उपस्थिति रही।

इस वर्ष प्रचार विभाग के कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण की योजना बनी थी, जिसके अंतर्गत अगस्त - अक्तूबर 2021 में पाँच आयामों (सामग्री निर्माण, सोशल मीडिया, कार्यालय, मीडिया संवाद और स्तम्भ लेखक) की प्रान्त टोलियों की क्षेत्रश: एक दिवसीय कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 827 कार्यकर्ताओं ने सहभाग किया।

17 सितम्बर, 2021 को दिल्ली में फिल्म आयाम के प्रान्त स्तरीय कार्यकर्ताओं की एक दिवसीय अखिल भारतीय कार्यशाला सम्पन्न हुई, जिसमें 29 प्रान्तों के 76 कार्यकर्ता उपस्थित हुए। साथ ही प्रान्तों में ऑनलाइन तथा प्रत्यक्ष पद्धति से नारद जयंती मनाई गई। दिल्ली एवं नोएडा में दीपावली पत्रकार मिलन सम्पन्न हुए।

प्रभावी होती गतिविधियाँ

धर्मजागरण समन्वय

इस वर्ष देशभर में 7 प्रान्तों में 45 मत, पंथ सम्प्रदायों के 1,079 संतों ने अभ्यास वर्ग या यात्राओं में सहभाग दिया। मा. भय्याजी जोशी की उपस्थिति में कर्णावती में देश और प्रान्त में प्रतिष्ठित 30 संतों की बैठक हुई। सौराष्ट्र प्रान्त में अनुसूचित जाति में काम करने वाले 27 परम्परा के 332 संतों की बैठक स्वामीनारायण सम्प्रदाय के सारंगपुर स्थित मंदिर में हुई। इस कार्यक्रम में महंत शंभूनाथ महाराज के साथ अन्य 10 प्रमुख संतों का समरसता और मतांतर के बारे में मार्गदर्शन हुआ।

पश्चिम महाराष्ट्र प्रान्त में संवेदनशील विस्तार में इस वर्ष 90 संतों ने 584 गावों और 111 बस्ती में 5,133 परिवारों में सम्पर्क करके दीप प्रज्वलित किया, 41,064 व्यक्तियों ने रुद्राक्ष धारण किये। 1,188 कार्यकर्ता सक्रिय हुए।

इस वर्ष गुजरात के 10 जिलों के 262 कार्यकर्ता 4 दिन के लिए वनवासी क्षेत्र में विस्तारक गए। 2 लाख लॉकेट बांधे और 8,000 से ज्यादा परिवारों से सम्पर्क हुआ। कार्यकर्ताओं को समस्या की अनुभूति हो और मतांतर रोकना यह कार्यक्रम का उद्देश्य था।

इस वर्ष धर्मजागरण गतिविधि में काम करनेवाले पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं का 3 दिन का अभ्यासवर्ग क्षेत्रश: या भाषाश: आयोजित किया था। देशभर में 461 पुरुष और 31 महिला कार्यकर्ताओं ने प्रशिक्षण लिया।

गौसेवा

गाँव स्तर से लेकर प्रान्त स्तर तक कुल 30,525 कार्यकर्ता सक्रिय हैं, जिसमें गांव स्तर के 13,479 कार्यकर्ता हैं। वर्ष 2021 - 22 में कुल 510 प्रशिक्षण वर्गों में 14,978 कार्यकर्ता सहभागी हुए। देश में 9,129 परिवार 29,749 एकड़ भूमि पर गो आधारित कृषि करते हैं, 9,281 परिवारों में गोबर गैस प्लांट चलते हैं तथा 68,693 परिवारों में 1,98,927 देसी गाय का पालन होता है। गो-उत्पाद निर्माण तथा विक्रय में कुल 1,337 कार्यकर्ता सक्रिय हैं। इस वर्ष गणेश पूजा के अवसर पर गोमय से 1,88,873 गणेश मूर्ति बनाई गई तथा दीपावली में 34,69,230 गोमय दीपक बनाए गए। गोपाष्टमी पर 996 स्थानों पर 15,836 कार्यक्रमों में 2,35,483 उपस्थिति रही। गोविज्ञान परीक्षा में 47 स्थानों से 56,326 परीक्षार्थी सहभागी हुए। गो-कथा का आयोजन 153 स्थानों पर हुआ, जिसमें 49,786 उपस्थिति रही।

ग्राम विकास

कार्य विस्तार : सामान्यतया सभी खंडों में ग्राम की निश्चिति होकर कार्य हो रहा है। 350 - प्रभात गाँव एवं 1,360 - उदय गाँव है। सघन कार्य रुपाखेड़ी - अंता, सांगोद - खंडों में, आदिलाबाद - पुत्तुर दोनों जिलों के सभी गाँव तक कार्य हो रहा है। 5,000 से अधिक ग्राम तक कार्य की व्याप्ति है। संकुल योजना - 15 संकुल में 310 ग्रामों में स्वावलंबन आदि के उपक्रम चल रहे हैं। पतरातू - 400 से अधिक बहनें सिलाई प्रशिक्षण लेकर कारोबार कर रही हैं। निरामय नागपुर - 45 गाँवो में 400 बहनों का प्रशिक्षण हुआ है। कुकमा भुज - 9 ग्रामों में लगभग 1,000 हेक्टेयर भूमि प्राकृतिक गौ आधारित पद्धति से हो रही है। रुपा खेड़ी ग्राम में संकुल कार्यशाला 25 से 27 नवंबर को संपन्न हुई। 12 संकुलों से 63 कार्यकर्ता सहभागी रहे।

संस्था कार्य - कर्नाटक दक्षिण में **लोकसेवा प्रतिष्ठान** द्वारा लगभग 800 ग्रामों में कार्य चल रहा है। **गंगा सेवा, दिल्ली** - 9 राज्यों के 22 ग्रामों में 37 स्वावलंबन केंद्र हैं। उत्तरांचल प्रान्त के उत्थान परिषद द्वारा 650 ग्रामों में प्रवासी पंचायत आदि उपक्रम चल रहे हैं।

अक्षय कृषि परिवार - 'भूमि सुपोषण अभियान' में कनेरी मठ, गायत्री परिवार, पतंजलि, रामचंद्र मिशन, रामकृष्ण मिशन, इस्कॉन आदि एवं विचार परिवार के संगठनों के साथ वर्ष प्रतिपदा से देवोत्थान एकादशी तक 18,694 स्थानों में 5,41,968 कृषक बंधु भगिनी सहभागी हुए हैं। केरल में ही 786 मंडलों में 9,747 कार्यक्रम हुए हैं। कर्णावती में 21-22 नवंबर को संपन्न, संकलन समारोह में 25 प्रान्त एवं 9 संस्थाओं से 89 कार्यकर्ता उपस्थित रहे। साथ ही प्राकृतिक कृषि करने वाले लगभग 500 कृषकों की सहभागिता रही।

कुटुम्ब प्रबोधन

भारत के सभी 45 प्रान्तों में संयोजक नियुक्त हुए हैं। भौगोलिक 11 क्षेत्रों के गट प्रमुखों की बैठक 4-5 दिसंबर, 2021 को उज्जैन में सम्पन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए मा. श्री भय्याजी जोशी ने परिवार के माध्यम से लोककल्याण इस भाव को जन जन तक पहुँचाने तथा अपना घर - तनावमुक्त - विवादमुक्त - दबावमुक्त - संवादयुक्त - आनंदयुक्त बनें इसलिए - आलस्य - गलत सामाजिक मान्यताएँ - भय - स्वार्थ - अहंकार के त्याग की आवश्यकता की ओर ध्यान आकर्षित किया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के निमित्त "यम -नियम" पर चर्चा का आयोजन हुआ। विविध प्रान्तों में गुरु तेग बहादुर जी का 400वें प्रकाशवर्ष के पावन अवसर पर जीवनचरित्र की जानकारी दी गई। उत्तर कर्नाटक प्रान्त का सपरिवार अभ्यास वर्ग बीदर में सम्पन्न हुआ। अपने पड़ोस के परिवारजनों को कुटुंब प्रबोधन गतिविधि से जोड़ने हेतु "कुटुंब मित्रों" की संख्या बढ़ाने के प्रयास सभी प्रान्तों में प्रारंभ हुए हैं।

कोरोना काल में विविध जिलों एवं प्रान्त संयोजकों द्वारा नये खेलों का सृजन तथा घर एक विद्यालय, पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन, स्वदेशी, भारतीय जीवनमूल्यों का महत्त्व, समरसता, आहार और आरोग्य आदि विषयों पर समाज के गणमान्य व्यक्तियों का मार्गदर्शन हुआ। कुछ स्थानों पर समुपदेशन की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। स्वाधीनता के अमृतमहोत्सव वर्ष के उपलक्ष्य में "आदर्श नागरिक में अपेक्षित गुण" विषय पर चर्चा की गई। जोधपुर प्रान्त ने 75 वर्ष से अधिक वरिष्ठजनों के सम्मान के कार्यक्रम आयोजित किये गये। काशी प्रान्त में 25 दिसंबर, 2021 को 'मातृशक्ति कुंभ' में 10,000 माताओं ने भाग लिया।

सामाजिक समरसता

1) व्यवसायी शाखा - तेलंगाणा प्रान्त की 30 व्यवसायी शाखाओं में प. पू. सरसंघचालकजी के व्याख्यान की पुस्तिका का वाचन एवं उस पर चर्चा आयोजित की गई। **2) महिला** - मेरठ प्रान्त में 9 महिला सम्मेलनों में 771 उपस्थिति रही। समरसता लाने में महिलाओं की भूमिका इस विषय पर प्रस्तुति एवं चर्चा हुई। **3) महापुरुष जयंती** - अवध प्रान्त में सभी 174 खंडों में समाज के साथ महर्षि वाल्मीकिजी की जयंती मनाई गयी। कुल 31,881 उपस्थिति रही। कार्यक्रमों में सफाई कर्मचारी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं विशेष गुणवत्ताधारकों का सम्मान किया गया। दिल्ली प्रान्त में संत रविदास जयंती के 68 कार्यक्रम संपन्न हुए। **4) परिवार सम्मेलन** - तेलंगाणा प्रान्त में 28 जिलों में परिवार सम्मेलन संपन्न हुए। 2,500 उपस्थिति रही। अपने परिवार को समरस परिवार बनाने की दृष्टि से प्रयासों की चर्चा हुई। **5) विश्वविद्यालयीन कार्य** - उत्तर कर्नाटक प्रान्त में भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकरजी के 130 वें जन्मदिन के अवसर पर 11 विश्वविद्यालयों में गोष्ठियों का आयोजन हुआ। कुल 1,285 छात्र एवं प्राध्यापक उपस्थित रहे। **6) संत सहभाग** - समाज में समरसता का संदेश देने की दृष्टि से "सांझीवालता यात्रा" (मीरा चली सद्गुरु के धाम) का आयोजन किया गया। यात्रा का नेतृत्व विविध मत, पंथ, संप्रदायों के 200 साधु-संतों द्वारा किया गया। यात्रा श्रेष्ठ कृष्णभक्त मीराबाई के जन्मस्थान मेड़ता, राजस्थान से गुरु नानक देव प्रकाश उत्सव के दिन प्रारंभ हुई। 11 दिन चली यह यात्रा सतगुरु रविदासजी के तपस्या स्थान देहरा चकहकीम, फगवाडा, पंजाब में संपन्न हुई। यात्रा के दौरान 50 सभाएँ, 250 स्वागत कार्यक्रम हुए। इन में 35,000 नागरिक सम्मिलित हुए। **7) प्रबोधन** - कोकण प्रान्त में 21 से 28 नवम्बर 2021 तक संविधान सप्ताह मनाया गया। 558 कार्यक्रमों में 8,918 नागरिक उपस्थित रहे। उपस्थितों को संविधान की प्रस्ताविका की प्रति भेंट की गयी। **8) समाज सम्पर्क** - पाकिस्तान से विस्थापित महेश पंथ इस अनुसूचित समाज का अभी कच्छ में वास्तव्य है। वे मातंग देव के भक्त हैं। माघ मास में वे कठोर व्रत रखते हैं। ऐसे 500 व्रतधारी साधकों का 40 जगह सम्मान का कार्यक्रम संपन्न हुआ। **9) समाजनेता** - भाग्यनगर में समता मूर्ति रामानुजाचार्यजी के 216 फिट ऊंची मूर्ती के लोकार्पण के कार्यक्रम के दौरान पू. चिन्न जियर स्वामी जी के आश्रम में सामाजिक नेता सम्मलेन संपन्न हुआ। 19 प्रान्तों से 173 नेता उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण

देशभर में कुल 44 प्रान्तों में प्रान्त संयोजक नियुक्त हैं तथा 667 ज़िले और 177 नगर केन्द्रों पर कार्य प्रारम्भ हुआ है।

प्रान्त अभ्यास वर्गों में 36 प्रान्तों के 564 जिलों से 1,380 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया है।

विशेष कार्यक्रमों के अंतर्गत - जनवरी 2022 में राष्ट्रीय पर्यावरण स्कूल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें पूरे देश से कक्षा 1 से 12 वीं तक के 55,062 स्कूलों के 8,46,443 विद्यार्थी सहभागी हुए। कक्षा 1 के 62 हज़ार बच्चों का उल्लेखनीय सहभाग रहा।

155 विश्वविद्यालय के 50,000 छात्रों में से राष्ट्रीय पर्यावरण युवा संसद के लिए विभिन्न स्तरों पर चयन प्रक्रिया के द्वारा 150 विद्यार्थियों को मनोनीत किया गया।

हिन्दू आध्यात्मिक सेवा फ़ाउंडेशन एवं पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के द्वारा प्रकृति वंदन के कार्यक्रम में समाज के 4 लाख परिवारों से 53 लाख से अधिक लोगों ने प्रकृति-पूजन किया।

"Eco Mitram" app पर्यावरण संरक्षण गतिविधि द्वारा तैयार की गई है जो अभी तक 7,61,742 लोगों ने डाऊनलोड की है।

अनुकरणीय उदाहरण

1. इको ब्रिक्स अभियान: गुजरात और उत्तराखंड में इको ब्रिक्स से पार्क बनाया गया। अरुणाचल प्रदेश में इको ब्रिक्स से बैठने का स्टैंड बनाया गया। मालवा प्रान्त ने इंदौर में 50,000 इको ब्रिक्स से CDS जनरल बिपिन रावतजी की प्रतिकृति बनाई।
2. जल पर जनजागरण चलाया जा रहा है। लोगों में जल के प्रति जागरुकता अभियान के कारण उत्तराखंड, मेरठ, अवध, झारखंड, महाकोशल, छत्तीसगढ़ आदि प्रान्तों में नदी, तालाब, कुओं की आरती, पूजन प्रारंभ हुआ है, स्थानीय लोग जल-संरक्षण पर काम करने लगे हैं। दिल्ली के पुराने जलस्रोतों को ठीक करने का अभियान चल रहा है। अब तक 124 जलस्रोतों को साफ किया जा चुका है।
3. 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण संरक्षण गतिविधि जोधपुर प्रान्त द्वारा पारिवारिक पर्यावरण उत्सव मनाया गया। एक ही दिन में 3,306 गांवों, नगरों एवं बस्तियों में 80,282 परिवारों द्वारा 5,817 पीपल तथा वट के पौधे तथा 86,534 अन्य पौधे रोपे गए। कुल 92,351 पौधों का समाज के सभी वर्गों के बंधुओं ने अपने घरों में रोपण किया। साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर भी वृक्षारोपण किया गया। लगभग 3,25,000 महानुभावों ने पर्यावरण रक्षण तथा हरितघर अर्थात् (पेड़ लगाना, पानी बचाना, ऊर्जा बचाना, जंतु संरक्षण तथा पॉलिथिन का उपयोग नहीं करने) की शपथ ली।

इको ब्रिक्स से बनाई गई जनरल बिपिन रावत की कलाकृति

प्रान्तों के विशेष कार्यक्रम

कर्नाटक दक्षिण

जनवरी 2022 को पू. सरसंघचालकजी की उपस्थिति में बंगलुरु महानगर के स्वयंसेवकों ने घोष का सर्वांगसुंदर प्रात्यक्षिक प्रस्तुत किया जिसे देखने के लिए ख्यातनाम संगीतकार, कलाकार तथा सेना के निवृत्त सज्जन आमंत्रित थे। 130 स्वयंसेवकों ने 89 मिनिट चले अविरत वादन में 53 रचनाओं का वादन किया जिसमें 5 नवीन रचनाएँ थी। मधुरिका दल द्वारा आखों पर पट्टी बांधकर वादन करते हुए अलग अलग व्यूहरचना बनाना इस कार्यक्रम का विशेष आकर्षण था। महानगर के सभी जिलों का प्रतिनिधित्व रहा और सभी वादकों ने अपना वाद्य स्वयं खरीदा।

For Video ⇧

कर्नाटक उत्तर

1. प्रान्त में प. पू. सरसंघचालकजी के कलबुर्गी प्रवास के चलते कार्यविस्तार हेतु शाखा स्तर पर गृहसम्पर्क, उपस्थिति दिन, मण्डल स्तर पर एकत्रीकरण, तहसीलश: विस्तृत बैठकें, कार्यकर्ता प्रशिक्षण आदि उपक्रम किये गये। परिणामस्वरूप शाखाओं की संख्या में वृद्धि हुई। कुल 300 कार्यकर्ता प्रवास में सक्रिय रहे।
2. बेल्लारि जिले के हुच्चीरॅश्वर विद्यार्थी शाखा द्वारा क्रिडोत्सव, वार्षिकोत्सव के आयोजन के अलावा दैनिक शाखा में श्लोक पाठांतर अभ्यास, मकर संक्रमण के अवसर पर गाँव के 1,022 घरों में तिल गुड वितरण, सीड बॉल, देवालय स्वच्छता, अभ्यासिका, पालक संवाद जैसे उपक्रम चलाये जाते हैं। वैसे ही प्रतिदिन शाखा के 8 स्वयंसेवक 6 घरों में सम्पर्क करते है तथा उनका भोजन भी उन्हीं घरों में होता हैं। इस वर्ष शाखा के प्रयासों के कारण 522 घरों में भारत माता पूजन कार्यक्रम सम्पन्न हुए। 2,800 पुरुष, 1,500 मातृशक्ति तथा 1,200 शिशुओं का सहभाग रहा।

तेलंगाना

माननीय सरकार्यवाह जी के प्रवास क्रम में नक्सल प्रभावित नलगोंडा जिले में कार्यविस्तार हेतु 12 दिसंबर 2021 को "हिन्दू शक्ति संगम" आयोजित किया गया। 352 स्थान से 3,959 गणवेषधारी स्वयंसेवक तथा 1,928 नागरिक सज्जन उपस्थित रहें। पथसंचलन, व्यायाम योग, सांघिक गीत आदि कार्यक्रमों का प्रदर्शन हुआ। विशेषकर अनेक वामपंथी प्रभावी गावों के परिवारों में से भी नए स्वयंसेवक बने व कार्यक्रम में सहभागी हुए। अनुवर्तन के प्रयासों के कारण अब तक 21 मिलन तथा 56 मंडली प्रारंभ हुई है।

आन्ध्र प्रदेश

गोदावरी संगम - राजमहेंद्रवरम और भीमावरम विभाग का गणवेश में सांघिक 26 दिसंबर 2021 को संपन्न हुआ। सभी मंडल, सभी बस्ती से प्रतिनिधित्व हो इसके लिए अधिकारी प्रवास की योजना रही। गटनायक बैठकों का आयोजन हुआ। सभी 146 बस्ती से और 286 मंडलों से 278 प्रतिनिधित्व रहा। कुल 12,736 स्वयंसेवक उपस्थित रहे जिसमें संघ से जुड़े 8,000 स्वयंसेवक नए थे। अनुवर्तन प्रयास में 26 जनवरी को सभी खंड केंद्र और अनेक मंडल केन्द्रों पर भी संचलन का आयोजन हुआ।

देवगिरी

1. 10 नवंबर 2021 को प. पू. सरसंघचालकजी के प्रवास दरम्यान हिंगोली जिले में स्थित संत नामदेवजी के जन्मग्राम नरसी नामदेव में जन्मस्थान का दर्शन और वहाँ स्थापित गुरुद्वारे में माथा टेकना तथा स्थानीय नागरिक, संत, सज्जन वृंद से संवाद व उद्बोधन का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

देवगिरी प्रान्त: नरसी नामदेव में पू. सरसंघचालकजी

2. प्रान्त में बालकार्य विस्तार एवं दृढ़ीकरण योजना के अंतर्गत 15 दिसंबर 2021 से 15 जनवरी 2022 इस अवधि में तहसिलश: / नगरश: बालों के कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम की पूर्वतैयारी हेतु शाखा व साप्ताहिक मिलनों की बैठकें तथा 1,971 गावों मे सम्पर्क आदि प्रयास किए गए। इस योजना मे 1,802 कार्यकर्ताओं का सहभाग रहा।
3. प्रान्त में प्रचार विभाग के अंतर्गत भारतीय चित्र साधना का कार्य मार्च 2021 में प्रारंभ हुआ। अभिनेता, निर्देशक, लेखक, तंत्रज्ञ, कैमरामैन आदि की सूची बनाकर उनसे सम्पर्क किया गया तथा पटकथा लेखन प्रतियोगिता व कार्यशाला, चित्र साधना परिचय वर्ग व कार्यशाला आदि उपक्रम किये गये। 15 व 16 जनवरी, 2022 को शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया गया। विभिन्न स्थानों पर पोस्टर विमोचन तथा फिल्म जगत में भारतीय संस्कृति का प्रभाव बने और बढ़े इस दृष्टि से सत्रों का आयोजन व भारतीय संस्कृति से जुड़े विषयों से संबंधित कुल 48 फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। 25 मान्यवर, 75 फिल्मकर्ता सहित 1,500 चित्रसाधक उपस्थित रहे। भारतीय चित्र साधना के राष्ट्रीय सह सचिव श्री आकाशादित्य लामा, सुप्रसिद्ध अभिनेता, निर्देशक, लेखक प्रा. योगेशजी सोमण, चित्रसाधना के पालक डॉ. जयंतजी शेवतेकर इनकी विशेष उपस्थिति रही।

सौराष्ट्र

1. प्रान्त के जूनागढ़ जिले में स्वाधीनता अमृत पर्व निमित्त स्वतंत्रता संग्राम में योगदान देनेवाले राष्ट्रवीरों को 'राष्ट्रीय युवा दिन' के सुअवसर पर 12 जनवरी 2022 को प्रात: 11:00 बजे 2,500 से अधिक स्थानों पर 'पूर्ण वन्देमातरम सामूहिक गान' से अंजलि देने का कार्यक्रम "वीरांजलि" सम्पन्न हुआ। स्वयंसेवक, विविध क्षेत्र कार्यकर्ता, स्कूल, महाविद्यालय, व्यापारी, अस्पताल, धार्मिक व सामाजिक संस्था, सोसायटी, परिवार, अन्य नागरिक सज्जन मिलाकर कुल 2.5 लाख से अधिक बंधु-भगिनी नें सामूहिक वन्देमातरम गान किया। दो एफ. एम. रेडियो और स्थानिक 5 चॅनलों ने प्रात: 11:00 बजे वन्देमातरम गान प्रसारित किया। कार्यक्रम के निमित्त सफाई कर्मचारी से साधु संतों तक सबको जोड़ने में सफलता मिली।
2. 15 दिसम्बर, 2021 से 30 जनवरी, 2022 के दौरान 'सतत 7 दिन शाखा' अभियान सम्पन्न हुआ। 87 तहसिल के 321 मण्डल, 57 नगर की 420 बस्ती में 1,746 प्रवासी कार्यकर्ताओं के प्रयास से 1,152 नई शाखाएँ चलाई गईं।

मालवा

1. जिला स्तर पर प्रत्येक गतिविधि तथा कार्यविभाग के सम्मेलन की योजना के अनुसार, 28 जिलों में कुल 284 "कार्यविभाग गतिविधि सम्मेलन" हुए। 10,604 कार्यकर्ता उपस्थित रहे । सभी कार्यविभागों की टोलियों की पूर्णता व कार्यकर्ताओं में कार्य की स्पष्टता की दृष्टि से यह अभिनव प्रयोग अत्यंत उपयोगी रहा।
2. इंदौर विभाग में दिनांक 26 दिसंबर 2021 को 6 स्थानों पर "जिलाश: शाखा संगम" आयोजित हुए, जिनमें 2,078 तरुण, 2,822 बाल व 741 शिशु स्वयंसेवक सहभागी हुए। कुल 2,150 नागरिक सज्जन कार्यक्रम में उपस्थित थे। ऐसे विभिन्न प्रयासों के कारण संयुक्त विद्यार्थी शाखा की संख्या 53 से बढ़कर 196 हो गई है।

मध्य भारत

1. प्रान्त के घोषवादकों का शिविर "स्वर साधक संगम" 25 नवंबर से 28 नवंबर 2021 तक ग्वालियर में सम्पन्न हुआ। 64 स्थानों से, जिन्हें 5 से अधिक रचनाओं की जानकारी है ऐसे 465 घोषवादक सहभागी हुए। शिविर में प. पू. सरसंघचालकजी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। समापन कार्यक्रम में प्रसिद्ध सरोद वादक उस्ताद अमजद अली खाँ साहब एवं कई प्रसिद्ध हस्तियाँ उपस्थित थीं। अभी 72 स्थानों पर घोष केंद्र प्रारंभ हुए हैं। शिविर स्थान पर पुराने वाद्यों की प्रदर्शनी भी आयोजित की गई थी, जिसे 4 दिन में लगभग 15,000 से अधिक नागरिकों ने निहारा।
2. मण्डल / बस्ती सशक्तिकरण योजना के क्रम में मण्डल एवं बस्ती स्तर पर टोलियों का गठन व संचलन कार्यक्रम, मण्डल मासिक एकत्रीकरण एवं 1 दिवसीय मंडलश: शिविरों का आयोजन किया गया। मंडलश: शिविरों में 22,041 तथा संचलनों में 30,394 स्वयंसेवक सम्मिलित हुए।

3. प्रान्त में अखिल भारतीय अधिकारी प्रवास के क्रम में, विभागश: मुख्य मार्ग कार्य, पूर्ण मण्डल / पूर्ण बस्ती एवं शाखा सामाजिक अध्ययन की योजना बनाकर कार्यविस्तार को गति देने हेतु प्रवास योजना बनाई गई तथा सभी जिलों में इस योजना का क्रियान्वयन प्रारंभ हुआ है। वैसे ही प्रान्त में 148 शाखाओं ने शाखा क्षेत्र का सामाजिक अध्ययन कर चुनौतियों के समाधान हेतु समाज का सहयोग लेकर कार्य प्रारंभ किया है।

महाकोशल

1. सागर नगर में अगस्त 2021 के दरम्यान मा. सरकार्यवाहजी के प्रवास अंतर्गत 18 अगस्त को नगर का कुटुंब एकत्रीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। गटनायक एवं तदूर्ध्व कार्यकर्ताओं के परिवार इस कार्यक्रम में अपेक्षित थे। नगर के सभी 45 बस्तियों से 332 परिवारों के 815 परिवारजन एकत्रीकरण में सम्मिलित रहे। परिणामस्वरुप बस्तियों की गटव्यवस्था ठीक होना, कार्यकर्ता के परिवार में समरसता का भाव, पर्यावरण के प्रति जागरुकता, साप्ताहिक 'कुटुंब मंगल संवाद' का प्रारंभ होना, आदि परिणाम देखे गये। नगर में 3 शाखा व 2 मिलन की वृद्धि हुई।
2. 321 शाखाओं में वार्षिक उत्सव सम्पन्न हुए। गुणवत्ता संचलन में चयनित 2,431 स्वयंसेवक सहभागी हुए। जिला स्तर पर आयोजित शिविरों में 4,108 स्वयंसेवक उपस्थित रहे।
3. स्वयंसेवकों द्वारा कोरोना काल में किये गए सेवाकार्यों को संकलित कर एक पुस्तिका "सेवा भागीरथी" का मा. सरकार्यवाहजी द्वारा विमोचन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भैसा गुरुद्वारा मुख्य ग्रन्थी श्री ज्ञानी रणजीत सिंह और विशेष अतिथि संजीवनी बाल आश्रम की संचालिका श्रीमती प्रतिभा अरजरिया थी। 750 प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे। पुस्तिका को प्रान्त के प्रबुद्ध नागरिकों तक पहुँचाया गया।

छत्तीसगढ़

1. "संकल्प शंखनाद" के तहत कार्यविस्तार और दृढ़ीकरण हेतु 25 दिसम्बर 2021 को, जिला केंद्र कोरबा में गणवेषधारी स्वयंसेवकों का पथ संचलन सम्पन्न हुआ। जिले से कुल 2,447 स्वयंसेवकों का सहभाग रहा।
2. नेताजी सुभाषचंद्र बोस जयंती और स्वाधीनता के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में मुंगेली जिले में रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ, जिसमें कुल 22 महिलाओं सहित 136 लोगों ने रक्तदान किया।

कुटुंब एकत्रीकरण में संबोधित करते हुए मा. सरकार्यवाहजी. महाकोशल.

घोष शिविर, छत्तीसगढ़

3. रायपुर महानगर और बिलासपुर नगर के घोषवादकों द्वारा 16 नवंबर से 19 नवंबर 2021 तक घोष शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 15 वर्ष से 51 वर्ष तक की आयु के कुल 98 वादक सहभागी रहें। शिविर के समापन कार्यक्रम में 43 रचनाओं का 65 मिनट तक निरंतर वादन हुआ। समापन कार्यक्रम में 119 ग्रामों से लगभग 10,000 नागरिक सज्जन उपस्थित रहे। इस अवसर पर प. पू. सरसंघचालकजी का उद्‌बोधन हुआ।

चित्तौड़

1. कोरोना के संकट काल में तीन दिवसीय 'पंचयज्ञ से परम वैभव' परिवार ई शिविर का आयोजन किया गया। 3,983 स्थानों और 899 साप्ताहिक मिलन स्थानों के 51,429 परिवारों के लगभग 2.5 लाख परिवारजन सहभागी हुए। विशेष कर 9,113 परिवारों ने पहली बार संघ के कार्यक्रमों में सहभाग लिया। कुल 7,434 कार्यकर्ता सक्रिय रहे। शिविर में अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य श्री सुरेशजी सोनी तथा अखिल भारतीय कुटुंब प्रबोधन संयोजक श्री रविंद्रजी जोशी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।
2. प्रान्त में "श्रुतम समूहरचना" के अंतर्गत 1,761 शाखा व 11,111 मिलन के स्वयंसेवकों द्वारा 6,799 ब्रॉडकास्ट समूह बनाकर, जो स्वयंसेवक नहीं हैं ऐसे 13,11,431 संपर्कित बंधु - भगिनी को 1 नवंबर 2021 से प्रतिदिन धर्म, संस्कृति, ज्ञान - विज्ञान एवं संघ संबंधी जानकारी के विषयों पर संदेश भेजे जा रहे हैं। भारत से बाहर 12 देशों में भी संदेश प्रेषित किये जा रहे हैं। समाज जनों में इस विषय की स्वीकार्यता का अनुभव आ रहा हैं।
3. अंशकालिक विस्तारक योजना के अंतर्गत वर्ष 2021 के दिसंबर मास में 1,754 स्थानों की 2,176 शाखा और 264 मिलन से कुल 8,023 विस्तारक भेजे गये। परिणामस्वरुप प्रान्त के सभी ग्रामीण मंडल और नगरीय बस्ती कार्ययुक्त हो चुके हैं। बड़ी आयु के 411 कार्यकर्ताओं को 857 सेवा बस्तियों में विस्तारक भेजा गया जहाँ सेवा सप्ताह के अपेक्षित सभी कार्य सम्पन्न किए गए।

जयपुर

1. स्वाधीनता के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सूर्यरथ सप्तमी पर 75 करोड़ सूर्य नमस्कार के संकल्प अभियान में झोटवाड़ा नगर का लक्षणीय सहभाग रहा। आदर्श विद्या मंदिर झोटवाड़ा में 6 फरवरी प्रातः 7 बजे से 7 फरवरी प्रातः 7 बजे तक 24 घंटे अनवरत सूर्य नमस्कार किये गये। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विद्या भारती, क्रीड़ा भारती जैसे विभिन्न संगठनों के साथ सामान्य नागरिकों ने भी कार्यक्रम में उत्साह से भाग लिया। 480 महिलाओं सहित 2,200 लोगों ने 24 घंटे में कुल 1,22,000 सूर्य नमस्कार किए। 6 स्वयंसेवक ऐसे भी रहे, जिनमें से प्रत्येक ने 1,000 सूर्य नमस्कार किए। एक स्वयंसेवक ने 2,500 और दूसरे ने 2,000 सूर्य नमस्कार अकेले किए।
2. हनुमान चालीसा पाठ के सामूहिक कार्यक्रम "नासै रोग हरे सब पीरा" के माध्यम से कुल 4,710 स्थानों पर 2,39,143 परिवारों का सहभाग हुआ जिसमें 5,56,828 पुरुष व 6,22,857 महिलाओं की सहभागिता रही। इसी क्रम में सात दिवसीय हिन्दू साम्राज्य दिनोत्सव की योजना में 90,316 पुरुष 18,557 मातृशक्ति ने सहभाग लिया और अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में 7,322 स्थानों से 4,67,446 परिवारों में 11,32,990 पुरुष 6,11,593 मातृशक्ति ने सहभाग लिया। समाज के साथ सघन परिचय व प्रत्यक्ष कार्यक्रमों में व्यवसायी, कर्मचारी, कृषक, श्रमिक वर्ग की सहभागिता के साथ ही उनको प्रत्यक्ष संघकार्य से जोड़ने के लिए बनी प्राथमिक वर्गों की योजना में कुल 1,478 स्थानों व 868 मण्डलों से 5,828 संख्या रही। ऐसे विभिन्न प्रयासों से प्रान्त में 205 नई शाखा/मिलन प्रारंभ हुए

जोधपुर

9 जनवरी 2022 को कार्यविस्तार की योजना के अन्तर्गत 1,336 मण्डलों में से 1,083 मण्डलों में मण्डल केंद्रों पर एकत्रीकरण के कार्यक्रम सम्पन्न हुए। कुल उपस्थिति 28,013 रही। इन एकत्रीकरणों में मकर संक्रांति, अनौपचारिक कार्यक्रम, खेल प्रतियोगिता, ग्राम गौरव सम्मान आदि कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

हरियाणा

1. हांसी जिले की सभी नगरीय शाखाओं ने अपनी वार्षिक योजना बनाई। सभी की साप्ताहिक शाखा टोली बैठक प्रत्येक गुरुवार को होती है और अधिकांश शाखाओं के वार्षिकोत्सव के कार्यक्रम भी सम्पन्न हो गए हैं।
2. बाल कार्य -
   (क) वीर बाल दिवस - गुरुपुत्रों के बलिदान को स्मरण करते हुए 26 दिसम्बर को घोषित वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में प्रान्त में बाल विद्यार्थियों के शारीरिक प्रतियोगिता प्रधान कार्यक्रम 46 नगरों व 29 खण्डों में सम्पन्न हुए। 4,524 बालों की भागीदारी रही। सिरसा में आयोजित लम्बी दौड प्रतियोगिता कार्यक्रम, यमुनानगर में आयोजित मशाल यात्रा कार्यक्रम उल्लेखनीय रहे। कार्यक्रमों में सिक्ख समाज के बन्धुओं की भी भागीदारी रही। कुछ स्थानों पर कार्यक्रम के बाद गुरुद्वारा दर्शन भी किया गया। सभी कार्यक्रमों में दोनों छोटे गुरु पुत्रों के बलिदान की बड़ी कहानी कही गयी।

   (ख) 21 नवंबर, 2021 को बाल संचलन गीत प्रतियोगिता संपन्न हुई। बाल स्वयंसेवकों को अपने खंड/नगर के एक निश्चित स्थान पर एकत्रित होना था और एक संचलन गीत की तैयारी करके आना था। प्रतियोगिता 155 खंड / नगरों में हुई। 3,578 बाल स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

3. अध्यापक कार्य - बाल कार्य में शालेय अध्यापकों की भूमिका और अधिक बढाने की दृष्टि से प्रान्त में अध्यापक कार्य भी प्रारंभ किया गया है। सभी जिलों में अध्यापक कार्य प्रमुख तय किये। लगभग 700 अध्यापकों की सूची बनी है। शिक्षक दिवस पर अध्यापक सम्मान दिवस के कार्यक्रम हुए जिसमें 550 संख्या रही। जिला की अध्यापक मासिक बैठक कई जिलों में प्रारम्भ हुई है।
4. बौद्धिक विभाग की योजना से आजादी अमृत महोत्सव के संबंध में 16 अगस्त, 2021 को एक ऑनलाइन व्याख्यानमाला प्रारम्भ हुई। प्रान्त स्तर के एक अधिकारी का प्रत्येक जिले में आभासी पद्धति से बौद्धिक हुआ। अगले एक सप्ताह तक प्रत्येक शाखा में बौद्धिक पर चर्चा हुई। बौद्धिक शृंखला में स्वतंत्रता आंदोलन के भिन्न-भिन्न

काल खंडों में स्वाधीनता के प्रयासों पर बौद्धिक हुए। व्याख्यानमाला का समापन 11-12 सितंबर को खंड/नगर एकत्रीकरण से हुआ। इन एकत्रीकरणों में 167 खंड/नगरों में 8,451 स्वयंसेवकों की उपस्थिति रही।

हिमाचल

काँगड़ा विभाग में 18 दिसंबर 2021 को विजय दिवस के उपलक्ष्य में 'पूर्व सैनिक प्रबोधन' का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुल 850 पंजीकृत पूर्व सैनिकों में से 562 सहभागी हुए। इस अवसर पर प. पू. सरसंघचालकजी का मार्गदर्शन हुआ। अनुवर्तन प्रयासों के अंतर्गत पूर्वसैनिकों से सम्पर्क कर उन्हें शाखा तथा अन्यान्य कार्यों से जोड़ने का प्रयास जारी है।

उत्तराखंड

10 अक्टूबर, 2021 को, हल्द्वानी नगर के स्वयंसेवक व उनके परिवारों के लिये 'परिवार प्रबोधन कार्यक्रम' आयोजित किया गया था। गटनायकों की रचना तथा सम्पर्क के आधार पर कार्यक्रम में 956 परिवारों से लगभग 2,500 परिवारजन उपस्थित रहे। प. पू. सरसंघचालकजी ने कार्यक्रम में उपस्थित परिवारजनों को संबोधित करते हुए "जीवन में सही आचरण के लिये अनुशासन तथा हमारी परंपराएँ सुरक्षित एवं संरक्षित रखने के लिये हमें अपनी भाषा, भूषा, भोजन, भजन, भ्रमण एवं भवन पर विशेष ध्यान देने" की बात कही। कार्यक्रम के पश्चात् हल्द्वानी नगर में गटनायक व्यवस्था का स्थाई होना, शाखा टोली सक्रिय होना, पाक्षिक पारिवारिक मिलन प्रारंभ होना आदि बातें देखी गईं।

मेरठ

1. महाविद्यालयिन कार्यविस्तार एवं दृढ़ीकरण हेतु सितंबर 2021 में खंड / नगर इकाइयों में 2,360 विद्यार्थी टोलियों का गठन किया गया। नवंबर मास में कुल 37 संघ परिचय कार्यक्रम आयोजित किये गये, जिसमें 3,790 नये तरुण सहभागी हुए। हापुड़ जिले में 1 दिवसीय युवा सामर्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जनवरी मास में विद्यार्थी टोलियों के प्रशिक्षण हेतु जिला स्तर पर कुल 30 अभ्यासवर्गों का आयोजन किया गया, जिसमें 1,297 विद्यार्थी कार्यकर्ता सहभागी हुए। युवा दिवस के अवसर पर गोष्ठी व खेलकूद प्रतियोगिता के

हिमाचल प्रान्त पूर्व सैनिक प्रबोधन कार्यक्रम

कुल 90 कार्यक्रम आयोजित किये गये, जिसमें कुल 4,989 विद्यार्थी सहभागी हुए।

2. 7 दिवसीय घोष प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। वर्ग में कुल 110 शिक्षार्थी व 15 शिक्षक सहभागी रहे । शंख, वंशी, वेणु, आनक एवं ताल वाद्य का प्रशिक्षण हुआ।
3. 25 दिसंबर 2021 को गौतम बुद्ध नगर जिले में बाल एवं शिशु स्वयंसेवकों का पथसंचलन कार्यक्रम हुआ, जिसमें 110 शिशु, 330 बाल व 40 घोषवादक सहभागी हुए।

ब्रज

मा. सरकार्यवाह जी के प्रवास क्रम में आगरा विभाग के पश्चिम महानगर में घोष विभाग द्वारा 22 दिसम्बर 2021 को 'स्वराज नाद' कार्यक्रम रहा। 65 घोषवादकों ने विभिन्न रचनाओं का वादन किया। मुख्य अतिथि श्री आर. के. सिंह भदौरिया (पूर्व वायुसेना अध्यक्ष), अक्षय पात्र (उत्तर प्रदेश) के प्रबन्धक श्री अनन्त दासजी महाराज एवम् महानगर के 450 दर्शक उपस्थित रहे।

कानपुर

स्वाधीनता के अमृत महोत्सवी वर्ष के उपलक्ष्य में प्रान्त में झाँसी की रानी जन्मोत्सव से विजय दिवस तक (दि. 19 नवंबर से 16 दिसंबर 2021 तक) 28 दिवसीय भारत माता रथ व भारत माता पूजन अभियान के अनेक कार्यक्रम प्रत्येक खंड व नगर स्तर पर आयोजित किये गये थे। युवाओं के मध्य वन्देमातरम गान व उद्बोधन कार्यक्रम, बलिदानियों के परिवार व सैनिकों का सम्मान, रानी झाँसी के किले पर 75,000 व बावन इमली फतेहपुर में 2,11,000 दीप प्रज्वलन तथा भारत माता की आरती, मातृशक्ति द्वारा राष्ट्रध्वज तिरंगा यात्रा, पावन खिंड दौड जैसे अनेक कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

ओडिशा पश्चिम

1. विशेष सम्पर्क योजना के अंतर्गत 9 सितम्बर 2021 को बोलांगीर में उसी जिले में रहनेवाले कुछ प्रतिभासंपन्न, प्रबुद्ध नागरिकों की बैठक अ. भा. सह सम्पर्क प्रमुख मा. सुनीलजी देशपांडे की उपस्थिति में हुई। इसमें चयनित कवि, नाटककार, साहित्यकार, लोकगीत गायक, संगीत विशारद, रंगमंच कलाकार, लेखक, बालुका शिल्पी, मूर्तिकार, पॉरा ओलम्पिक खिलाड़ी, और पुरस्कार विजेता ऐसे कुछ प्रमुख व्यक्ति उपस्थित थे।
2. कोरापुट विभाग में कार्यविस्तार हेतु 61 संघ परिचय वर्गों का आयोजन हुआ। 3,200 कार्यकर्ता सम्मिलित हुए। 36 बृहत खंड / नगर बैठकें हुई, जिसमे 3,363 कार्यकर्ता उपस्थित रहें। कुल 45 स्वल्पकालीन विस्तारक रहे। शाखा की संख्या 250 से बढ़कर 557 हुई है।

उत्तर बंग

फरवरी 2022 में होने वाले प. पू. सरसंघचालकजी के प्रवास तक सिलीगुड़ी नगर में 50 शाखा तथा 50 मिलन का लक्ष्य रखा गया था। अक्तूबर 2021 से कार्यकर्ता बैठक, प्रवास योजना, एक ही दिन सभी बस्ती में शाखा, भारत माता पूजन जैसे प्रयासों के फलस्वरूप प. पू. सरसंघचालकजी के प्रवास तक नगर में 51 शाखा तथा 48 साप्ताहिक मिलन स्थिर हुए। बैठक में 237 कार्यकर्ता उपस्थित थे।

उत्तर असम

कार्यविस्तार योजना के अंतर्गत दिसंबर मास में 194 स्थानों पर खण्डश: एक दिवसीय शिविर सम्पन्न हुए। शिविरों में 1,221 मण्डल, 2,925 गाँव व 411 बस्तियों से 18,937 स्वयंसेवक सहभागी हुए। 466 नये मण्डल, 1,399 नये गाँव व 208 नई बस्तियों का प्रतिनिधित्व हुआ। खंड / नगरश: संघ परिचय वर्ग 96 स्थानों पर सम्पन्न हुए जिसमें 2,578 कार्यकर्ता सहभागी रहे।

दक्षिण असम

कार्यविस्तार योजना के अंतर्गत प्रान्त में 9 जनवरी 2022 को 'प्रान्त संचलन दिवस' आयोजित किया गया। 3,282 स्वयंसेवक उपस्थित रहे। संचलन में कुल 44 खण्ड, 220 मण्डल (46 नए मण्डल), 10 नगर, 90 बस्तियाँ (6 नई बस्तियाँ), 231 शाखा, 88 मिलन, 10 मंडली, 618 ग्रामों (161 नए ग्राम) का प्रतिनिधित्व रहा।

अखिल भारतीय बैठक

- युगाब्द 5122 (ई. स. 2021) की प्रतिनिधि सभा बैठक के पश्चात् जुलाई 2021 में चित्रकूट में दीनदयाल शोध संस्थान के परिसर में प्रान्त प्रचारक बैठक का आयोजन हुआ। महामारी की परिस्थिति के कारण अ. भा. अधिकारी (प्रचारक) और क्षेत्र प्रचारकों को ही अपेक्षित किया था। सभी प्रान्त प्रचारक एवं अन्य निमंत्रित कार्यकर्ता आभासी माध्यम से बैठक में सहभागी हुए।
- अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक 27, 28, 29 अक्तूबर 2021 को धारवाड (कर्नाटक उत्तर) के निकट स्थित राष्ट्रोत्थान परिषद् के विद्यालय परिसर में संपन्न हुई। बैठक में कार्य की समीक्षा एवं आगामी योजना की चर्चा के साथ बाँगलादेश में हिंदुओं पर किये गए हिंसात्मक हमले की निन्दा करते हुए एक प्रस्ताव भी पारित किया गया।
- समाज जीवन के विविध क्षेत्रों में संगठनों के माध्यम से कार्यरत स्वयंसेवकों की अ. भा. समन्वय बैठक तेलंगाना के भाग्यनगर में इसी वर्ष जनवरी 5, 6, 7 को आयोजित थी, जिसमें 190 कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस बैठक में समन्वित कार्य से दो क्षेत्रों मे मिली उपलब्धि, जनजाति क्षेत्र की कुछ विशेष परिस्थिति, संगठनों में मूल विचार व लक्ष्य का आग्रह, कार्य पद्धति, सामाजिक परिवर्तन के प्रयास, व्यवस्था परिवर्तन के आशय, वैचारिक विमर्श, सर्वस्पर्शी कार्य आदि विषयों पर चर्चा हुई।

कोविड महामारी का संकट व पुनर्वास

2020 मार्च में प्रारंभ हुई कोविड महामारी के प्रथम दो लहरों का परिणाम अत्यंत वेदनादायक रहा। अनुभव में यह आया कि प्रथम लहर में आजीविका पर अधिक प्रभाव पड़ा तो वहीं दूसरी लहर में प्राण हानि अधिक हुई। बीमारी से जन्य अपार शारीरिक यातना तथा बड़े प्रमाण में लोगों की असमय मृत्यु के कारण असंख्य परिवारों को असहनीय संकट के दौर से गुजरना पड़ा। अस्पतालों में व्यवस्था की कमी, चिकित्सा के उपकरणों तथा दवा की आपूर्ति का अभाव, दूसरी ओर तालाबंदी (Lock down) के कारण उत्पन्न आर्थिक संकट एवं व्यापार-व्यवसाय पर हुए आघात के चलते रोजगार की चुनौती, यह सब एक हताशा एवं चिंताजनक स्थिति का निर्माण कर रहे थे।

ऐसी स्थिति में सरकार ने तो परिस्थिति को नियंत्रण में रखने का हर संभव प्रयास किया ही, संघ के स्वयंसेवक, समाज के असंख्य बंधु-भगिनी एवं सामाजिक, सेवा और धार्मिक संस्थाओं ने भी अपनी संवेदना से अद्भुत कार्य करते हुए सामाजिक एवं राष्ट्रीय कर्तव्य निर्वहन का उत्कृष्ट परिचय दिया। दवा की आपूर्ति, प्राणवायु के लिए उपकरणों की व्यवस्था, आहार वितरण, रक्तदान, शव संस्कार आदि विभिन्न प्रकार के कार्यों में स्वयंसेवक आगे बढ़े। केंद्र सरकार ने समय-समय पर राज्य सरकारों से संवाद करते हुए आवश्यक नियम-निर्धारण तथा राहत कार्यों का संचालन किया।

दूसरी लहर के कठिन दौर में समाज मानस को आशावादी एवं सकारात्मक बनाए रखने के महत्वपूर्ण कार्य भी अपने द्वारा देश में हुए। तीसरी लहर की संभावना को ध्यान में रखकर पूर्व तैयारी करते हुए प्रशिक्षण की एक विस्तृत योजना बनी, जिसे देश भर में जिला व खंड स्तर तक क्रियान्वित किया गया। लाखों की संख्या में समाज बंधु-भगिनी समेत स्वयंसेवक इस प्रशिक्षण के आयोजक एवं सहभागी बने। सरकार के शत प्रतिशत टीकाकरण के लक्ष्य में 150 करोड़ से अधिक टीकाकरण की यशोगाथा में स्वयंसेवकों ने अपना प्रभावी योगदान दिए। अन्य कई आयामों में भी प्रशासन तथा समाज की विभिन्न संस्थाओं के साथ साँझा योजना व सहयोग की भूमिका निभाई। कोविड के इस संकट से उत्पन्न स्थिति में मुख्य रूप से तीन क्षेत्रों में पुनर्वास की आवश्यकता का अनुभव हुआ, वह हैं -

1. शिक्षा (विद्यार्थियों की कक्षा न चलने से पाठ - प्रवचन - बोधन में आई बाधा, विद्यार्थियों को होने वाली हानि)
2. रोजगार (व्यापार, उद्योग तथा आवागमन पर संकट आने से लाखों-करोड़ों लोगों को रोजगार की समस्या)
3. पारिवारिक वेदना एवं अनिश्चितता (परिवार में कमाई करने वाले के निधन से बनी परिस्थिति, भविष्य की चुनौती)

उपरोक्त तीनों चुनौतियों के संदर्भ में स्थान-स्थान पर स्वयंसेवकों तथा विविध संगठनों ने परिणामकारी मार्ग ढूँढकर लोगों को सहायता करने के अनेक प्रयास किए हैं।

बस्ती पाठशाला, निशुल्क कक्षाएँ आदि चलाकर शिक्षा, पठन-पाठन का क्रम जारी रखने के कार्य हुए। परंतु इस विषय में अभी भी काफी कुछ करने की आवश्यकता है।

रोजगार के विषय में सरकारों ने विविध आर्थिक योजनाएँ जारी कर परिस्थिति पर विजय पाने के प्रयास किए और कर रहे हैं। यद्यपि यह प्रयास सराहनीय है तथापि इतने विशाल देश में चुनौती भी अगाध होती है। स्वयंसेवकों द्वारा शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में छोटे एवं सरल रोजगारों के सृजन, कौशल वर्धन एवं उसके लिए आवश्यक प्रशिक्षण के उत्तम प्रयास अनेक स्थानों पर किए गए। संघ के ग्राम विकास, सेवा विभाग तथा आर्थिक क्षेत्र के विविध संगठनों के पृथक एवं संयुक्त प्रयासों से इस दिशा में परिणामकारी काम हुए हैं, परंतु अभी भी रोजगार सृजन की एक बहुत बड़ी आवश्यकता है। देश की आत्मनिर्भरता के संकल्प व उस दिशा की योजना में रोजगार को वरीयता देना, सरकार तथा समाज, विशेषकर उद्योग-व्यवसाय जगत का आग्रह होना चाहिए।

रोजगार के नए-नए आयामों एवं संभावनाओं को सोचकर प्रयोगशीलता बढ़े। ग्रामीण क्षेत्र, कृषि, कुटीर उद्योग, हस्तशिल्प, लघु उद्योग आदि क्षेत्र पर अधिक बल देना आवश्यक है। विकेंद्रीकरण, पर्यावरण हितैषी बातों को भी ध्यान में रख कर योजना बने। जिन संकटग्रस्त परिवारों में

अर्थार्जन करने वाले प्रमुख सदस्य की मृत्यु होने से सारा परिवार संकट का सामना कर रहा है, उनकी सहायता करने के लिए स्वयंसेवक समाज के सहयोग के साथ योजना बनाकर आगे बढ़े हैं, ऐसे अनेक प्रेरणादायी कार्य हुए भी हैं। बच्चों की शिक्षा, बालिकाओं के विवाह, वृद्धों के उपचार, आजीविका संबंधी कुछ व्यवस्था आदि सब में उपलब्ध शासकीय योजना को पहुँचाना और समाज के सहयोग से उन्हें सहायता करना, यह कार्य जहाँ-जहाँ आवश्यक है वहाँ-वहाँ सार्थक रूप से हो ऐसी योजना आगे भी बननी चाहिए।

महामारी के इस कालखंड में हमने कई पाठ भी सीखे हैं। संयमित-संतुलित जीवन जी सकने का अनुभव, प्रदूषण से राहत मिलकर शुद्ध नदी, जल, हवा का आनंद आदि केवल तात्कालिक न होकर स्थाई हो इसके लिए अपेक्षित जीवन शैली का आग्रह भी सर्वदूर रखना चाहिए।

कोरोना की इन चुनौतियों का समाधान करते हुए हम देश की अन्य परिस्थितियों की ओर भी ध्यान दें।

हिंसा, अविश्वास - स्वस्थ लोकतन्त्र के लिए बाधा

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के परिणाम घोषित होने के पश्चात राज्य में अनेक स्थानों पर हुए दंगे एवं व्यापक हिंसा ने एक वीभत्स वातावरण खड़ा कर दिया। यदि समाज में हिंसा, भय, द्वेष, कानून का उल्लंघन व्याप्त हो गया तो न केवल अशांति, अस्थिरता की स्थिति रहेगी बल्कि लोकतंत्र, परस्पर विश्वास आदि भी नष्ट हो जाएंगे। बंगाल में गत मई, 2021 में हुई घटनाएँ राजनीतिक विद्वेष एवं मजहबी कट्टरता का विषफल थीं। चुनाव एक स्पर्धा है, परिणाम हार या जीत होना स्वाभाविक है। उसको जनता का दिया न्याय-निर्णय मानकर, परस्पर सहयोग एवं विश्वास से सामाजिक जीवन चलाना, परिपक्व लोकतंत्र की पहचान है। परंतु प्रशासनिक तन्त्र का दुरुपयोग करते हुए विद्वेष व हिंसा को खुली छूट देकर राजनीतिक विरोधियों को नष्ट करने का प्रयास, भविष्य के लिए महँगा पड़ेगा। एक राज्य के नागरिकों को अपनी सुरक्षा के लिए पड़ोसी राज्य के अभय कवच में जाकर रहना पड़ा, यह प्रशासन की विफलता मात्र नहीं बल्कि लोकतंत्र एवं संविधान की अवहेलना भी है। बंगाल राज्य में हुई घटनाओं की जांच हेतु अनुसूचित जाति आयोग, मानवाधिकार आयोग, महिला आयोग ऐसी अनेक संस्थाओं ने अपने प्रयास किए हैं। संत्रस्त जनता को शीघ्र ही पूर्ण न्याय मिलेगा यह आशा रखते हैं।

राजनीतिक क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा अनिवार्य है किंतु वह स्वस्थ मनोभाव से हो, लोकतंत्र की मर्यादा में रहे, वैचारिक मंथन, समाज विकास के लिए पोषक हो यह अपेक्षणीय है। लेकिन पिछले दिनों की घटनाएँ, चुनावों में होने वाले आरोप-प्रत्यारोप व उसकी भाषा चिंता के कारण बने हैं। देश के माननीय प्रधानमंत्री के काफिले को एक पूर्व निश्चित कार्यक्रम के लिए जाते समय मुख्य सड़क पर किसान आंदोलन के नाम पर रोकने की अत्यंत निंदनीय घटना सुरक्षा के सामने की चुनौती तो थी ही; साथ ही इस कृत्य ने राजनीतिक मर्यादा, केंद्र-राज्य सरकारों के संबंध, संवैधानिक पदों के प्रति भावना आदि के प्रति भी प्रश्न खड़ा कर दिया है।

विभेदकारी साजिश - सही विमर्श ही उत्तर

आज एक ओर भारत में अब यहाँ की युगों-युगों की सांस्कृतिक मूल्य परम्परा, अस्मिता तथा देश की एकात्मता-अखंडता के भाव जागृत होते हुए अनुभव में आ रहे हैं, हिन्दुशक्ति स्वाभिमान से खड़ी हो रही है, वहीं दूसरी ओर इसको सहन नहीं करने वाली विरोधी शक्तियाँ येन-केन प्रकारेण समाज में विषाक्त वातावरण खड़ा करने का षड्यंत्र भी कर रही हैं। देश में बढ़ती हुई विभेदकारी तत्वों की चुनौती भी गंभीर होती जा रही है। हिंदू समाज में ही कई प्रकार के भेदभावों को जगाकर समाज को दुर्बल करने के प्रयास भी हो रहे हैं। जनगणना वर्ष समीप होते हुए किसी समूह को 'हम हिंदू नहीं हैं' यह दुष्प्रचार कर उन्हें भड़काने के उदाहरण मिलते हैं। हिंदुत्व के संदर्भ में विविध प्रकार के मिथ्या प्रचार कर अनर्गल आरोप लगाने के षड्यंत्र चलते हैं। इन सभी को देश-विदेश में वैचारिक जामा पहनाकर प्रस्तुत करने के दुष्चक्र भी रचे जाते हैं। इस पृष्ठभूमि में राष्ट्रीयता, हिंदुत्व, अपने इतिहास, समाज दर्शन, सांस्कृतिक मूल्य-परम्परा आदि विषयों के बारे में सत्य एवं तथ्य आधारित एक प्रबल वैचारिक विमर्श को प्रभावी बनाने का कार्य भी आवश्यक है। साथ ही वैयक्तिक, कौटुंबिक एवं सामाजिक जीवन में भारतीय जीवन मूल्यों पर आधारित काल सुसंगत आचरण-व्यवहार के प्रकटीकरण पर भी बल देना होगा, विशेषकर युवा पीढ़ी में यह प्रयास गतिशील होना वांछित है। इसके लिए सहमत होने वाले सम विचारी व्यक्तियों एवं शक्तियों को भी जोड़ना चाहिए।

मजहबी कट्टरता - गंभीर चुनौती

देश में बढ़ती मजहबी कट्टरता के विकराल स्वरूप ने अनेक स्थानों पर पुनः सिर उठाया है। केरल, कर्नाटक में हिन्दू संगठनों के कार्यकर्ताओं की निर्मम हत्या इसका एक उदाहरण है। मज़हबी उन्माद को प्रकट करने वाले कार्यक्रम, रैलियाँ, प्रदर्शन, संविधान और धार्मिक स्वातंत्र्य की आड़ में सामाजिक अनुशासन और परंपरा का उल्लंघन, छोटे-छोटे कारणों को भड़काकर हिंसा के लिए उत्तेजित करना, अवैध गतिविधियों को बढ़ावा देना जैसे दुष्कृत्यों की शृंखला बढ़ती जा रही है। सरकारी तंत्र में प्रवेश करने की भी व्यापक योजना दिखाई देती है। इन सबके पीछे एक दीर्घकालीन लक्ष्य का गहरा षड्यंत्र काम कर रहा है, ऐसा भी महसूस होता है। संख्या के बल पर अपनी बातों को मनवाने के लिए किसी भी मार्ग को अपनाने की तैयारी की जा रही है। समाज की एकता, एकात्मता तथा सद्भाव के समक्ष खड़े इस खतरे को संगठित शक्ति, जागरण एवं सक्रियता से सफलतापूर्वक परास्त करने का प्रयास, समय की पुकार है।

पंजाब, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र जैसे देश के विभिन्न भागों में योजनाबद्ध रूप से हो रहे हिंदुओं के मतांतरण की जानकारियाँ मिलती हैं। इस चुनौती का एक लंबा इतिहास है ही, किन्तु नए-नए समूहों को मतांतरित करने के भिन्न-भिन्न तरीके अपनाए जा रहे हैं। यह सच है कि हिन्दू समाज के सामाजिक एवं धार्मिक नेतृत्व व संस्थाएँ कुछ मात्रा में जागृत होकर सक्रिय हुई हैं। इस दिशा में अधिक योजनाबद्ध तरीके से संयुक्त एवं समन्वित प्रयास करना आवश्यक प्रतीत होता है।

संगठित, जागृत भारत - वैभवशाली भारत

उपरोक्त परिस्थितियों के बावजूद भी भारत में जागृति, विकास एवं नए क्षितिजों के प्रादुर्भाव की एक आशाजनक वेला का भी अनुभव हो रहा है। समाज का एक बड़ा वर्ग जिसमें युवा, शिक्षित समुदाय, समाज के विभिन्न क्षेत्रों की सज्जन शक्ति सम्मिलित है, भारत के एक स्वर्णिम अध्याय को लिखने के कार्य में उत्साह से कार्यरत है। स्वाधीनता के अमृत महोत्सव की प्रेरणा को लेकर संपन्न हुए अनेक कार्यक्रम इस उत्साह को बढ़ा रहे हैं। पूजनीय सरसंघचालक जी के प्रवास में तथा संघ के विविध आयोजनों में सहभागी होने वाले समाज की सभी श्रेणी के सज्जन न केवल इस विषय में सकारात्मक सहमति व्यक्त करते हैं, अपितु अपना विशिष्ट योगदान देने के लिए भी तत्पर हैं। इसी कारण से समाज में संघ को जानने और संघ के समीप आने की उनकी उत्सुकता भी बढ़ी है। इसीलिए आने वाले दिनों में जागरण श्रेणी एवं गतिविधि के अपने कार्य को अधिक परिणामकारी बनाने के प्रयास होने चाहिए। इस कार्य में स्वयंसेवकों की सुप्तशक्ति की सक्रियता पर बल देकर अपनी कार्य-शक्ति को बढ़ाने पर ध्यान देना होगा।

अपने क्षेत्र में संगठन कार्य के विस्तार एवं कार्य की गुणवत्ता बढ़ाने के विविध सार्थक प्रयास होने आवश्यक हैं। परिस्थिति अनुकूलता प्रदान करती है और चुनौतीपूर्ण भी है। संघ के शताब्दी वर्ष का पुण्य पर्व हमारे उत्साह वर्धन एवं साहस तथा संकल्प शक्ति को बहुगुणित करने के लिए संकेत कर रहा है। संघ कार्य को विजयी बनाकर अपने राष्ट्रधर्म को निभाने का स्वर्णिम अवसर हमें प्राप्त हुआ है। ऐसी घड़ी में हम गीत की इन पंक्तियों से प्रेरणा लें...

विजय वाहिनी संघटना का शंख नाद देता संदेश
हिंदू फिर से जाग रहा है जाग रहा है निज परिवेश।

...

लिए प्रखर संकल्प हृदय में आगे बढ़ते जाएंगे
हिंदुराष्ट्र का गौरव वैभव जगती में प्रगटाएंगे।।

Akhil Bharatiya Pratinidhi Sabha – Karnavati
Annual Report: 2021-22

कार्यस्थिति / Status of Work | 02

Hindi Report | 03–21

Contents

Tour of Param Pujaneeya Sarsanghachalak ji | 24

Tour of Mananiya Sarkaryawah ji | 25

Karya Vibhags on the march | 26

Impact making Gatividhis | 28

Special Programs of Prants | 31

National Scenario | 38

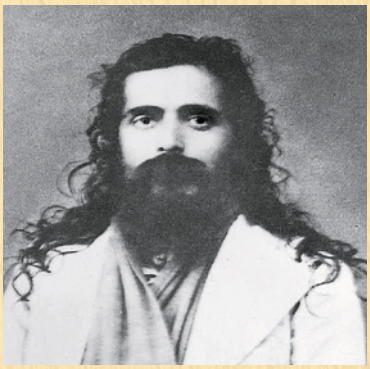

This task is fine, great, divine, its completion entails the highest manifestation of humanity. In it lies the realization of God.

– Poojaniya Shri Guruji

Introduction

Param Pujaniya Sarsanghachalak ji, respected Akhil Bharatiya Adhikaries, members of Akhil Bharatiya Karyakari Mandal, central representatives, all Mananiya Sanghachalak, Karyawah, Pracharak and other team members of Kshetra and Prant, Karyakartas of Kshetra and Prant Karyakari Mandal, invited guests, I heartily welcome you all to this Akhil Bharatiya Pratibidhi Sabha (ABPS) held here in the sprawling campus of Prerana Peeth situated at Pirana, Gujarat.

For the past two years the entire world along with Bharat faced a formidable crisis. The entire humanity had to endure various challenges arising out of the Covid-19 Pandemic. Though there was some relief in Bharat as the severity and effects of the third wave were much less than expected. Now there is a hope of improvement in circumstances. Slowly we are experiencing normal day to day activities. This is the precise reason that this year we have a larger gathering here as compared to last two years at the ABPS, which is quite heartening. However, all agree that in spite of the situation looking normal, certain protocols regarding the pandemic must be observed.

Enthusiasm and speed of the pre Corona period has been visible amongst Karyakartas in the past year and hence there has been a marked increase in holding of organisational meetings, programs and training camps. Some prominent snippets of this progress have been included in this report.

It is very sad that in the past few months we have lost many of those perons actively involved in national life, social work, defense and security forces and Sangh work due to some ailment or other reasons such as accident. We pay our heartfelt homage in their memory.

Tour of Pujaniya Sarsanghachalak ji

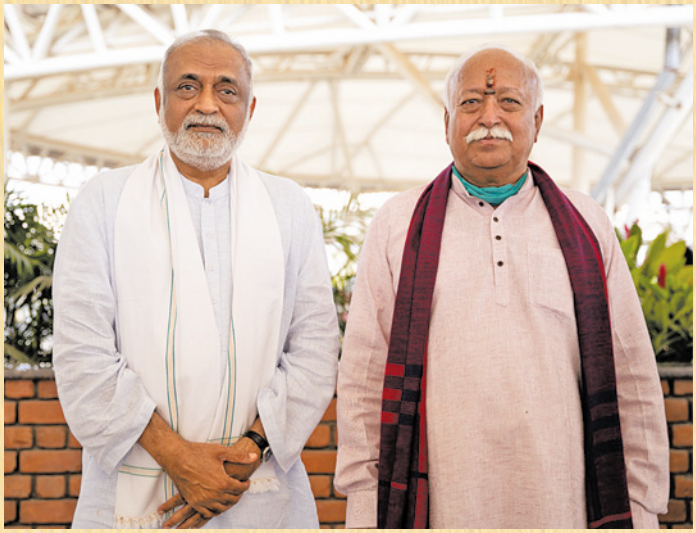

Pujaniya Sarsanghachalak ji with
Revered Shri Kamlesh Patel (Daji)

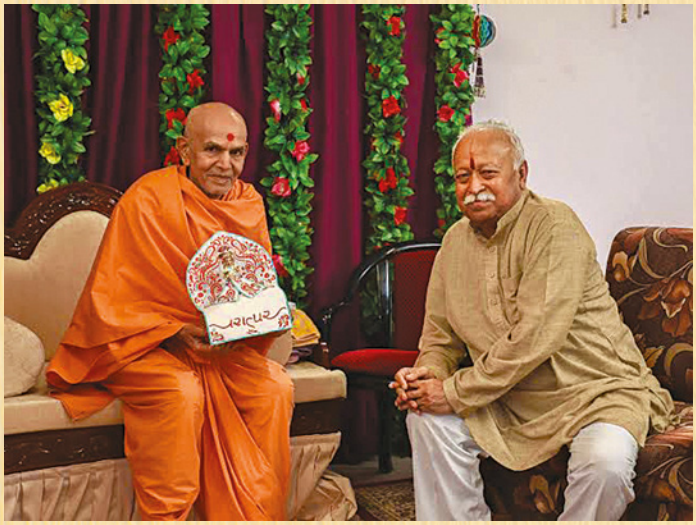

Pujaniya Sarsangchalak ji with
Pujaniya Mahant Swami - Gujarat

In 2021-22, Baithaks of Sangathan Shreni, Jagaran Shreni, Prant Toli and all Pracharaks were held during the Pravas of Param Pujaniya Sarsanghachalakji in various Prants. Besides, as per the local planning, meetings with intellectuals and prominent persons were held in 15 Prants. In Jammu, he spoke on "Our Role in the Present Scenario" in a special meet that was attended by around 700 intellectuals. A gathering of the ex army personnel was held in Dharmashala which was attended by 562 ex army personnel.

In the programs held in the seven major cities of our country, he delivered the key note covering the topics like 1) Economic thoughts 2) Hindu Chintan and Drishti 3) Prakruti, Paryavaran 4) Mahila, Jivan Mulya Samrakshan.

During his scheduled tour, he sought the blessings of Shankaracharya Pujya Nishchalananda Saraswatiji in Puri, Pujya Gachhadhipati Acharya Bhagavant Shri Vijay Abhaydev Surishwar Maharaj in Surat and Param Paavan Dalai Lama.

In Bhagyanagar he also participated in a meeting with saints arranged during the unveiling of Shri Ramanujacharya's statue.

He also called on the classical music maestro Ut. Amjad Ali Khan, folk singer Padma Shri Anvar Khan in Barmer, Rajasthan, renowned Odisha educationist Shri Rajat Kar ji and renowned sand sculpture artist Shri Sudarshan Pattanayak.

Tour of Mananiya Sarkaryawah ji

In the year 2021-22 tour of 19 Prants was completed. Organisational meetings were conducted in all Prants. Average attendance at the meetings was around 85%. Other programs included Sangha Parichay Varg in some Prants, Swayamsevak Ekatrikaran in Madhya Bharat, Haryana, Gujarat, Uttar Bihar, Delhi, Khanpur, Jaipur, Telangana, Karnataka Dakshin and Utttar Assam. Quality route marches was held in Mangaluru, Karnataka Dakshin. Programs of Swayamsevaks in Ganavesh were also held at many places where the number of Swayamsevaks was sizable.

Family get together was held in 5 Prants, interactive talk with the Elite in 4 Prants and interactive programs involving retired government officials were also held in some Prants.

- A speech arranged Online by the Baudhik Vibhag was held on 27th June 2021
- A symposium on Sewa was held in Mahakoshal Prant.
- A seminar on the topic 'Features of New Education Policy 2020' involving Heads of educational institutions was held in Mangaluru, Karnataka Dakshin Prant.
- In Bhopal, a get together of people speaking various languages was held by 'Matru Bhasha Manch'.
- Meetings were held in Meghalay, Nagaland and Mizoram to deliberate over various socio-cultural and economic issues.
- Tributes were paid to Bharat Ratna Dr. Babasaheb Ambedkar by garlanding the statue in Ambedkar Basti of Guwahati.
- Tributes were also paid at the 'Mai Bap Smarak' in Kolkata in remembrance of those who left for Suriname and other countries from 1873 to 20th century as Indenture Laborers.

With Pujya Baba Ramdev ji and Acharya Balkrishna ji

Karya Vibhags on the march

Sharirik Shikshan Vibhag

Akhil Bharatiya Sharirik Varg, that takes place every five year, was held in Ayodhya during October 17-22, 2021. In all 452 Karyakartas of 10 Sharirik streams from all Prants participated. Practical training of 50 new games, 20 new Samuhik Samata Prayog and 1 new Anikini Samata Prayog was imparted. This year 4,76,375 Swayamsevaks from 36,063 Shakhas and 4,938 Milans did 24,87,13,509 Prahar in Prahar Maha Yagya in December 2021.

Bauddhik Shikshan Vibhag

Akhil Bharatiya Baithak of Bauddhik Vibhag was held during August 28-29, 2021 in Jaipur. Akhil Bharatiya Toli and Kshetra Baudhdhik Pramukhs attended. 9 Karyakartas undertook Prant wise Pravas. 53 Karyakartas from 39 Prant participated in the 'Report writing workshop' held in Delhi. 55 Karyakartas from 33 Prant participated in the Audio-Visual aids workshop held in Mumbai. This year online and offline programs were held. In various educative programmes 6,67,705 Karyakartas from 24,667 places; in orientational programme 1,50,716 Karyakartas from 11,373 places; in competative Karyakrams; 1,38,696 Karyakartas from 5,862 places; and in Swadhinata ka Amrit Mahotsav Karyakrams 7,94,348 Karyakartas from 12,261 places participated. Many Prants held the programs including Sanchalan Geet competition, story-telling and Samachar Samiksha.

Sewa Vibhag

In 10,704 Vyavasayi Shakhas the responsibility of Sewa Karyakartas is assigned. In 9,953 Sewa Bastis, all round development will be done by Shakhas. The concept of Sewa was explained among the Vyavasayi Shakha Karyakartas.

In 29 Prants "Sewa week" was observed by Shakhas where in various Sewa projects were undertaken.

Apart from these, the total number of the Sewa projects undertaken during the year is 28,866.

The App and website Sewa Gatha launched 3 years back is now available in 6 languages viz. Hindi, Marathi, Kannad, Gujarati, Telugu and English.

Total number of Sewa Karya + Matru sangathan + Sewa Bharati 19,927 + 41,955 = 61,882

The advance preparedness in view of the possible 3rd wave of Covid was done. Training of Karyakartas was held and Niramay kits were distributed in many places.

An easy availability of blood and hospital beds was ensured in view of the possible 3rd wave of Covid. Many units of blood was made available.

Sewa among nomadic people (Ghumantu)

Sampark Vibhag

5 Baithaks of the Kshetra Sampark Pramukhs and Akhil Bharatiya Toli were held during the year. Vibhag Prashikshan Varg were held in 36 Prants. Mahila Karyakartas are there in 41 Prant Toli.

Over 54 Charcha - Vimarsha were held for the shortlisted persons from the Sampark Suchi of various Prants. The attendees included ex-judges, administrative officers and senior army personnel.

During the Covid pandemic, Sampark Vibhag rendered services through Pune Platform for Covid Response (PPCR). Param Pujaniya Sarsanghachalakji released a Coffee table Book brought out by the PPCR. Delhi Prant circulated the messages of 13 eminent intellectuals through an event 'Positivity Unlimited'. Many dignitaries including 71 ex diplomats got connected with Covid response Team.

A compilation of the relief work undertaken by the RSS was brought out in the form of a Coffee table Book 'Vayam Rashtrangabhuta'. It was presented to 4,179 dignitaries from all Prants.

Most of the dignitaries in the Akhil Bharatiya Suchi contributed to the Shri Ram Mandir Nidhi.

163 programs in 44 Prants were held to inform about the post poll violence in West Bengal. 18,725 persons attended. Memoranda on this issue were submitted to the Hon'ble President of Bharat and also to many governers of states. 4,027 Karyakartas actively worked in these programs.

Dipawali gatherings of various Shreni were held in all Kshetras. Ma. Sarkaryavah addressed the Dipawali gathering of Paschim Kshetra.

Param Pujaniya Sarsanghachalakji gave his guidance at the Sampark Vibhag programs held at 11 places.

Prachar Vibhag

Param Pujaniya Sarsanghachalakji's Pravas was arranged in Delhi and Bhagyanagar. In Delhi, a meeting with the chiefs of the leading 12 publication houses was held on September 8, 2021. On the same day, another meeting was held with Vice chancellors and Directors of the Film Training Institutions. Representatives from 11 Institutions attended. On October 18, 2021, an interactive meeting was held with Vice chancellors, Directors and the Heads of departments of the Media Training Institutions. Representatives from 32 Institutions participated.

In Bhagyanagar, a meeting with the editors of the leading print and electronic media houses was held on January 18, 2022. 16 editors attended. In another meeting with film producers and directors, 39 persons from the Telugu film industry participated.

In Kshetra wise Prashikshan Varg of Prant Tolis of all Five dimensions (content creation, Social Media, Karyalay, Media Samvad, Columnist) 827 Karyakartas participated.

In a one-day Akhil Bharatiya workshop on Film making held in Delhi on September 17, 2021, 76 Prant level Karyakartas from 29 Prants participated. Narad Jayanti was celebrated online in most Prants. In Delhi and Noida, get together programs were held during Dipawali for the media personnel.

Impact making Gatividhi

Dharm Jagaran Samanvay

1,079 Saints of 45 sects from 7 Prants participated in various Vargs or Yatras. 30 eminent saints from across the country participated in a Baithak held with Ma. Bhayyaji Joshi in Karnavati. In Saurashtra, 332 saints from 27 traditions among scheduled castes attended a Baithak held at Swami Narayan temple in Sarangpur. Mahant Shambhunath ji and 10 other leading saints guided the congregation.

In the sensitive areas of Paschim Maharashtra, 90 saints lit lamps in 5,133 households of 584 villages and 111 Bastis. 41,064 persons were blessed with Rudraksha rosaries. 11,188 Karyakartas were actively involved.

In Gujarat, 262 Karyakartas worked as Vistarak for 4 days each in the Vanvasi areas. 2 Lakh lockets were distributed to the Vanvasi of over 8,000 families. This drive was undertaken in order to sensitize Karyakartas about the issues faced by the Vanvasi as well as to check conversion.

This year, Abhyas Vargs for fulltime Karyakartas were held either Kshetra wise or language wise. 461 men and 31 women workers participated.

Gau Sewa

From village level to Prant level 30,525 Karyakartas are engaged in Gau Sewa, of which, 13,479 Karyakartas are engaged at village level. During this year 510 training camps were held in which 14,978 Karyakartas participated. 68,693 families pursue cow dung based farming in their farm lands measuring 29,749 acres. 9,281 families are using biogas. In 68,693 families 1,98,927 desi cows are nurtured as part of animal husbandry. 1,337 Karyakartas are engaged in production and sales of various Gau products. 1,88,873 Cow dung Ganesh idols during Ganesh Chaturthi and 34,69,230 Gaumay lamps were made during this year's Dipawali. On the occasion of Gopashtami, 15,836 programs were held at 996 places with the consolidated attendance of 2,35,483 persons. 56,326 candidates from 47 places appeared for the Gau Vigyan Examination. Programs of Gau Katha were held at 153 places, wherein a total of 49,786 persons attended.

Gram Vikas

Karya Vistar: By and large, a village for Gram Vikas has been identified in each Khand. We have 350 villages marked as Prabhat Gram and 1,360 as Uday Gram.

Intensive work is going on in Rupakhedi – Anta, Sangod Khand and in all the villages of Adilabad district of Telangana and Puttur district of Karnataka. The work has reached to over 5,000 villages.

Sankul Yojana– Self reliance oriented programs have been undertaken in 310 villages in 15 Sankul. In Patratu (Jharkhand) over 400 women are self employed today after attending the tailoring classes.

Niramay Nagpur– 400 women from 45 villages have been trained.

Kukma Bhuj– Organic farming based on cow dung is carried on in around 1000 hectors in 9 villages.

63 Karyakartas from 112 Sankuls participated in the Sankul Karyashala held in Rupakhedi during November 25–27.

Sanstha Karya: Various programs are going on at the behest of LokSewa Pratishthan in about 800 villages of Karnataka Dakshin. Ganga Sewa, Delhi is running 37 Swavalamban Kendra in 22 villages of 9 states. In Uttaranchal, the Utthan Parishad is running various programs including Pravasi Panchayat.

Akshay Krishi Parivar– 5,41,968 farmers from 18,694 villages participated in Bhoomi Suposhan Abhiyan being undertaken by the organizations like Kaneri Math, Gayatri Parivar, Patanjali Yog Pratishtan, Ramachandra Mission, Ramakrishna Mission, ISKCON, and similar organisations from Varsha Pratipada to

Devoththan Ekadashi. 9,747 programs were held in 786 villages of Kerala. 87 Karyakartas from 9 organizations of 25 Prant attended the Sankalan Samaroh held on November 2021 in Karnavati.

Kutumb Prabodhan

In all 45 Prants, the responsibility of Prant co-ordinator has been assigned. A meeting of the Gat Pramukhs of the 11 Kshetras was held on December 4–5, 2021 in Ujjain. Addressing the Karyakartas Sh. Bhayyaji Joshi called upon to spread the sense of community welfare to the last person of our society through our families and stressed the need to ensure a tension free, stress free, happy and dedicated household in order to achieve this goal.

On the International Yoga day, a discussion on Yam – Niyam was held at many places. In many Prants, programs were held to commemorate the glorious history of the martyrdom of Guru Tegbahdur on his 400th Prakash Parv. In Uttar Karnataka, family trainning camp was held in Bidar. Efforts of raising the number of Kutumb Mitra in order to connect the neighbours with Kutumb Prabodhan Gatividhi have started in all Prants.

During the Corona pandemic, new games were developed by many Zilla and Prant co-ordinators. Lectures by eminent dignitaries on the topics including Ghar Ek Vidyalaya, Environment Protection, Swadeshi life style, significance of the indigenous Indian values, Samarasata, Food habits and health were also held. Counseling centers were also set up in many places. In view of Swadhinta Ka Amrit Mahotsav, a debate on the topic of expectations from a model citizen was held. In Jodhpur Prant, functions to honour the senior citizens above the age of 75 were held. In Kashi Prant, 10,000 women participated in Matrishakti Kumbh held on December 25, 2021.

Samajik Samarasata

(1) Vyavasayi Shakhas– Reading the booklet of speech of Param Pujaniya Sarsanghachalak ji followed by discussion on it was held in 30 Vyavasayi Shakhas of Telangana. **(2) Mahila–** In Meerut Prant, 9 Mahila Sammelan were held in which 771 women participated. **(3) Mahapurush Jayanti–** Maharshi Valmiki Jayanti was celebrated in all 174 Khands of Avadh Prant. 31,881 persons participated. Sweepers, social workers and persons with outstanding contribution were felicitated. **(4) Parivar Sammelan–** In Telangana, Parivar Sammelan were held in 28 districts with a total attendance of 2,500 persons. The topic of making our family a Samaras Parivar was stressed. **(5) Work in Universities–** In Karnataka Uttar, talks were organised in 11 Universities on the occasion of 130th birth anniversary of Bharat Ratna Dr. Bhimrao Ambedkar. 1,285 students and faculty members attended. **(6) Sant Sahabhag–** Sanzivalata Yatra (Mira Chali Sadguru Dham) was held to spread the message of Samajik Samarasata. Around 200 saints from various sects led the Yatra. The 11 day Yatra started on the Prakash Parv of Guru Nanakdev, from Merta, the birth place of Mirabai and concluded at Dehra Chakahakim – the seat of Saint Ravidas in Punjab. During the course of the Yatra, 50 public meetings and 250 welcome programs were held. 35,000 persons participated. **(7) Prabodhan–** In Konkan Prant, Samvidhan Saptah was

Sanzivalata Yatra

celebrated during November 21-28, 2021. 558 functions were held with the consolidated attendance of 8,918 persons who were given the copies of the Preamble of the Constitution. **(8) Samaj Sampark–** The followers of Mahesh Panth, displaced refugees from Pakistan have settled in Kutch. This Scheduled Caste community is a staunch worshiper of Matang Dev. In Magha month, they observe tough rituals and fast. In all 40 functions to felicitate such 500 Mahesh Panthi Sadhaks were held. **(9) Samaj Neta–** In Bhagyanagar, a meeting of social leaders was held at the Ashram of Pujya Chinna Jiyar Swamiji during the Inauguration of the 216 ft high idol of Samata Murty Ramanujacharya. 137 Samaj Neta from 19 Prants attended the Sammelan.

Paryavaran Samrakshan

In 44 Prants, the responsibility of co-oridnator has been assigned. The work has started in 667 districts and 177 Nagar Kendras. In Prant Abhyas Varg held in 36 Prant, 1,380 Karyakartas from 564 districts participated.

Special Program– In January 2022, Rashtriya Paryavaran School Competition was held. 8,46,443 students from 1st to 12th standard classes of 55,062 schools from all over the country participated. Overwhelming participation of 62,000 students from 1st standard classes was most noteworthy.

50,000 university students participated in the various levels of the selection rounds for the Rashtriya Paryavaran Yuva Samsad. 150 students were short listed.

Over 53 lakh persons from 4 lakh families participated in Prakruti Vandan program organized by Hindu Spiritual & Seva Foundation.

7,61,742 people have downloaded the Eco Mitram App of Paryavaran Samrakshan Gatividhi.

Noteworthy Projects

1. Eco bricks Campaign - Eco bricks Parks have been set up in Gujarat and Uttarakhand. In Arunachal Pradesh a seat in a park has been made from eco bricks. In Indore of Malwa Prant, an illustration of the late CDS Gen. Bipin Rawat has been made from eco bricks.

Eco-bricks bench. Arunchal Pradesh

2. Awareness campaign to save and conserve water is going on. Programs of Pujan and Aarati of the water bodies have started in Uttarakhand, Merutt, Awadh, Jharkhand, Mahakoshal and Chhattisgarh. People have started working on water conservation. Recharging of the abandoned water resources has begun in Delhi. 124 such water resources have so far been recharged.
3. On June 5, the World Environment Day, Parivarik Paryavaran Utsav was observed on a call by Paryavaran Samrakshan Gatividhi, Jodhpur Prant. 5,817 saplings of Peepal and Vat and saplings of other trees were planted by 80,282 families from 3,306 villages, Nagar and Bastis on a single day. 86,534 saplings were planted in households and in public places also. Around 3.25 lakh persons took oath of saving enviornment and green home (Harit Ghar). (plant trees, save water, save energy and protect bio-diversity and not to use plastic)

Prant wise special programs

Karnataka Dakshin

In January 2022, a Ghosh (Band) demonstration by the Swayamsevaks of Bengaluru Mahanagar was held in the auspicious presence of Param Pujaniya Sarsanghachalak ji and in attendance of the invited dignitaries including eminent music maestros, artists and retired army personnel. 130 Swayamsevaks rendered 53 Ghosh (Band) compositions including 5 new ones, in a non-stop presentation of 89 minutes. The special attraction of the demonstration was the various formations made by the blind fold Madhurika Dal. Swayamsevaks with the instruments of their own and from all districts of Bengaluru Mahanagar had participated.

For Video ⇧

Karnataka Utttar

1. In view of the tour of Param Pujaniya Sarsanghachalak ji, programs like family contact and maximum attendence day at Shakhas level, Ekatrikaran at Mandal level, and Baithak and Prashikshan Vargs at Tehsil level were held. As a result the number of Shakhas rose significantly. 300 Karyakartas were actively involved.
2. The Huchchireshwar Vidyarthi Shakha of Bellary district holds Varshikotsav and Kridotsav every year. Besides this, the Shakha also regularly holds programs like temple cleaning, seed ball, tutions, interaction with parents etc. On the occasion of Makar Sankranti, Tilgud is distributed in all the 1,022 households of the village. Memorising Sanskrit Shloks is a regular part of the Shakha. Sampark to 6 households by 8 Swayamsevaks and having meals in the respective households has been a daily practice of this Shakhas. This year Bharat Mata Pujan took place in 522 households. 2,800 men, 1,500 women and 1,200 Shishu participated.

Telangana

In view of the tour of Ma. Sarkaryavah ji, 'Hindu Shakti Sangam' as part of expansion drive was held in the Naxal affected district of Nalgonda on December 12, 2021. 3,959 Swayamsevaks in uniform and 1,928 general public from 352 places attended. Apart from route march, Sharirik Pratyakshik and Sanghik Geet were the key attractions of the event. A note worthy feature of this event being new Swayamsevaks from the Naxal affected areas also participated. As a result of the follow up efforts, 21 new weekly Milan and 56 new monthly Mandali have started.

Andhra Pradesh

Rajmahendravaram and Bhimavaram Vibhag jointly held Godavari Sangamam on December 26, 2021. Adhikaris toured extensively to ensure the participation from all Mandal and Vasti and held a series of Gatnayak Baithaks as a result of which a total of 12,736 Swayamsevaks, including 8,000 new ones; from all the 146 Vasti and 278 of the 286 Mandals participated. In the follow up efforts, route march were held in all Khand Kendra and many Mandal Kendras on January 26, 2022.

Andhra Pradesh Godavari Sangamam

Devgiri

1. Param Pujaniya Sarsanghachalak ji paid a visit to the birth place of Sant Namdev and a Gurudwara in Narsi Namdev village of Hingoli district on November 10, 2021. Interaction talk was also held with local dignitaries.
2. As part of the Bal Karya expansion and consolidation plan, various programs for Bal were held at Nagar and Tehsil level from December 15, 2021 to January 15, 2022. A series of meetings at various levels were held prior to this month long program. In all, 1971 villages were contacted while 1802 Karyakartas actively participated.
3. Bharatiya Chitra Sadhna became functional from March 2021 as a part of Prachar Vibhag activity. Shortlisted actors, directors, writers, technicians and cameramen were contacted through activities such as screenplay writing competition and workshops. A Short Film Festival was held during January 15-16, 2022 with a view to enhancing the impact of our culture in film industry. 48 films based on our culture were screened and various theme based sessions were held. Eminent film actor, producer, director and writer Prof. Yogeshji Soman, the joint secretary of Bharatiya Chitra Sadhna Shri Akashaditya Lama and the patron of Bharatiya Chitra Sadhna Dr. Jayantji Shevtekar graced the occasion. 1,500 film enthusiasts including 75 film personnel participated in the festival.

Saurashtra

1. In Junagad District as part of celebrations of Swadhinta Ka Amrit Mahotsav, a special event Viranjali was held on Swami Vivekanand Jayanti - the National Youth Day, to pay tributes to the brave hearts who had dedicated their lives in the freedom movement. At 11 am sharp on January 12, 2022, mass recital programs of the complete Vande Mataram were held at over 2,500 locations. Over 2.5 lakh people from all walks of life, from sweepers to saints, overwhelmingly participated. Two FM channels and 5 news channels aired the complete Vande Mataram at the same time.
2. Continous 7 days Shakha campaign was held for more than a month from December 15, 2021 to January 30, 2022. 1,746 Pravasi Karyakartas were involved. 1,152 new Shakhas were held in 321 Mandals of 87 Tehsils and 420 Basti of 57 Nagar.

Malwa

1. A total of 284 Karya Vibhag and Gatividhi Sammelan in the 28 districts were held as per plan. 10,604 Karyakartas attended these gatherings which proved beneficial in improving clarity of work.
2. In Indore Vibhag, district wise Shakhas Sangam were held at 6 places on December 26, 2021. In all, 2,078 Tarun, 2,822 Bal, 741 Shishu and 2,150 civilians attended. Due to various efforts the number of student Shakhas rose to 196 from 53.

Madhya Bharat

1. Swar Sadhak Sangam was held in Gwalior during November 25-28, 2021. 465 Ghosh Vadaks with the competence of playing a minimum of 5 composiition (Rachana) participated. An attraction of the camp was the exhibition of ancient musical instruments which was visited by over 15,000 people in 4 days. In the concluding function Param Pujaniya Sarsanghachalak ji enlightened the dignified gathering that included world renowned Sarod maestro Ustad Amjad Ali Khan among others. New Ghosh centers have come up at 75 places after the programme.
2. Under the plan to strenthen Mandal and Basti teams were formed at the Mandal and Basti level. Programs like route march, Mandal monthly Ekatrikaran, one-Day Mandal camps were held. 22,041 Swayamsevaks attended the one-day Mandal camps while 30,394 Swayamsevaks participated in route march.

3. Tour of all India level adhikaries was arranged Vibhag wise to boost up Mukhya Marg Karya, Purna Mandal/ Basti Yojna and Samajik Adhyayan by Shakhas. This plan has been implemented in all the districts. As part of society survey by a Shakha. 148 Shakhas have initiated efforts to address the issues and challenges facing the society

Mahakoshal

1. In August 2021, during the tour of Ma. Sarkaryawahji a program of Family get-together in Sagar for family members of Swayamsevaks with the Dayitva of Gatnayak and above was held on August 18, 2021. 815 members of 332 families from all the 45 Bastis attended. As a result of this, sense of samarasata was enhanced and awareness for environment was developed in the families of the Karyakartas. Kutumb Mangal Samvad also started in many families after the programme. Kutumb Ekatrikaran was held in Chhatarpur also on October 18, 2021. A total of 330 members of 154 Swayamsevak families attended. 4 new Shakhas and 4 new Milan started after the programme.
2. A total of 321 Shakhas held Varshikotsav. 2,431 selected Swayamsevaks participated in the quality route march. A total of 4,108 Swayamsevaks attended in district level camps.
3. The booklet Sewa Bhagirathi- a compilation of the services rendered by Swayamsevaks during the Corona pandemic was released by Ma. Sarkaryavah ji in a special function. Shri Gyani Ranjitsingh, chief Granthi of Bhaisa Gurudwara was the chief guest, while Smt. Pratibha Arjariya, chief administrator of Sanjivani Bal Ashram was the special guest at the function. Around 750 people including many dignitaries attended the event.

Chhattisgarh

1. As a part of expansion and consolidation plan, 'Sankalp Shankhnad' program was held in Korba on December 25, 2021. A route march was also held. 2,447 Swayamsevaks of Korba district participated.
2. As a part of celebrations of the Swadhinta Ka Amrit Mahotsav and Netaji Subhash Chandra Bose Jayanti, a blood donation camp was held in the Mungeli district. In all, 136 persons, including 22 women donated blood.
3. A Ghosh Shibir of Swayamsevaks of Raipur Mahanagar and Bilaspur Nagar was held from November 16 to 19, 2021. 98 Swayamsevaks in the age group of 15 to 51 participated. Enlightening address by Param Pujaniya Sarsanghachalak ji marked the concluding function which was attended by around 10,000 people from 119 villages. Swayamsevaks rendered 43 Ghosh compositions in a 65 minutes non-stop demo.

Chittod

1. A 3 day family E-Shivir- 'Panch Yagya se Param Vaibhav' – was held during the Corona pandemic days. Around 2.5 lakh persons of 51,429 families from 13,983 places and 899 weekly Milan participated in the E-Camp. 9,113 families participated for the very first time in an RSS event. 7,434 Karyakartas were actively involved. Shri Sureshji Soni, a member of the Akhil Bharatiya Karyakarini and Shri Ravindraji Joshi, Akhil Bharatiya Kutumba Prabodhan Samyojak enlightened the participants of the E-Shibir.
2. Under the Shrutam Samuha Rachana, Swayamsevaks from 1,761 Shakhas and 11,111 Milan have created 6,799 Broadcast groups with a total membership of 13,11,431 non- Swayamsevak men and women from Bharat and 12 foreign countries. Information on the topics our Dharma, Samskriti and Sangh have been sent to them every day since November 1, 2021. This initiative has received wide recognition.

3. Under the short time Vistarak Yojna, 8,023 Vistaraks from 2,176 Shakhas and 264 Milan from a total of 1,754 places were sent to various locations in December 2021. As a result of this initiative, all Mandal and Basti have a Shakhas or Milan. 411 elderly Karyakartas were sent to 857 Sewa Basti where all the programs expected during a Sewa Saptah were accomplished.

Jaipur

1. Zotvada Nagar substaintially contributed to achieving the target of 75 crore Surya Namaskars to commemorate the Swadhinta Ka Amrit Mahotsav. A 24 hour non-stop Surya Namaskar event was held in Adarsh Vidya Mandir from February 6, 7 am to February 7, 2022. 2,200 persons including 480 women performed 1,22,000 Surya Namaskars. Persons from RSS, Vidya Bharati, Krida Bharati and various other organizations participated. 6 Swayamsevaks performed 1,000 Surya Namaskars each while 1 Swayamsevak performed 1,500 and another Swayamsevak performed 2,000 Surya Namaskars.
2. 5,56,828 men and 6,22,857 women from 2,39,143 families from 4,710 places participated in the mass recitation of Shri Hanuman Chalisa program 'Nasai Rog Hare Sab Pira'. Similarly 90,316 men and 18,557 women participated in the week long program of Hindu Samrajya Dinotsav Yojana. 11,32,990 men and 6,11,593 women from 4,67,446 families from 7,322 places participated in International Yoga Day. Prathamik Vargs were held for professionals, employees, farmers and laborers and efforts were made to directly connect them with activities of RSS. In all, 5,828 Swayamsevaks from 1,478 places and 868 Milan participated. As a result of all these efforts 205 new Shakhas have come up.

Jodhpur

Under the expansion plan Ekatrikaran programs were held on January 9, 2022 on the Mandal Kendras of 1,083 of the 1,336 Mandals. Besides Makar Sankranti Utsav, informal programs like sports competitions and Gram Gaurav Samman were held in the Ekatrikaran.

Haryana

1. All Nagariya Shakhas of Hansi district have a Shakha annual plan in place. Varshikotsav have already been held by most Shakhas. Weekly meetings of the Shakha team of all Shakhas is held every Thursday.
2. Bal Karya

(A) Veer Bal Divas – As part of the celebration of Bal Divas to commemorate the martyrdom of two sons of Guru Govindsinghji, various field competitions for Bal Swayamsevaks were held in 46 Nagar and 29 Khand. 4,524 Swayamsevaks participated. Note worthy events include marathon competition in Sirsa and Mashal Yatra in Yamunanagar. Bal Swayamsevaks from the Sikh families also participated. Swavamsevaks visited Gurudwara at many places. Story telling programs describing the martyrdom of two younger sons of Guru Govindsingh ji were held.

Haryana Prant - Azadi Amrut Mahotsav Programme

(B) Sanchalan Geet Competition for Bal Swayamsevaks was held at the 155 designated venues in Khand and Nagar on November 21, 2021. 13,578 Swayamsevaks participated.

1. Adhyapak Karya – To increase the role of teachers in Bal Karya, a plan from Prant level has been initiated. In all districts, the responsibility of Adhyapak Karya Pramukhs has been assigned. 550 persons attended the Adhyapak Samman Divas programs held on Teacher's Day. In many districts, Adhyapak meeting is held every month.
2. As a part of celebration of Swadhinta Ka Amrit Mahotsav, an online lecture series was started from August 16, 2021 in which Prant Adhikaries delivered an online talk in the assigned district. A discussion on the talk was held in the Shakhas during the following seven days. Lectures highlighting the contributions of the freedom fighters in various decades of freedom struggle were held. The online lecture series concluded in the form of Ekatrikaran at Khand and Nagar level on September 11 and 12. 167 Ekatrikaran were held with the total attendance of 8,451 Swayamsevaks.

Himachal

In view of the Vijay Divas, a program - 'Purva Sainik Prabodhan' – was held in Kangda Vibhag on December 18, 2021. 562 of the 850 registered ex-army personnel attended. Param Pujaniya Sarsanghachalakji enlightened the invited participants. In the follow up action, efforts are on to connect the ex-army personnel with RSS and other similar activities.

Uttarakhand

Parivar Prabodhan Karyakram for family members of the Swayamsevaks of Haldwani Nagar was held on October 10, 2021. All the families were contacted exclusively by the Gat Nayaks, as a result of which around 2,500 persons from 956 families attended the event. Param Pujaniya Sarsanghachalak ji enlightened the invited participants. After the program Gat Padhdhati was strengthened, Shakhas team got activated and bi monthly family Milans have started.

Uttrakhand Pariwar Prabodhan Karyakram

Meerut

1. For expansion and consolidition of work amongst students. 2,360 Student teams were formed in September 2021. In November, 37 Sangh Parichay programs were held in which 3,790 new students participated. In Hapud district, Yuva Samarthya Shibir- a one day camp was held. In January, 30 orientation camps for the student teams were held in which 1,297 Karyakartas participated. On Yuva Divas 90 programs of symposium and sports competitions were held in which 4,989 students participated.
2. A 7 day Ghosh Prashikshan Varg was held. 110 Shiksharthis and 15 Shikshaks participated.
3. On December 25, 2021, a route march for Bal and Shishu Swayamsevaks was held. 330 Bal, 110 Shishu and 40 Ghosh Vadaks participated.

Braj

On December 22, 2021, 'Swaraj Naad' program was held in Paschim Mahanagar of Agra Vibhag during the visit of Ma. Sarkaryawah ji. 65 Swayamsevaks played various Ghosh Compositions. Shri R. K. Singh Bhadoriya, Air Chief Marshal (Rt.) as the Chief Guest and Shri Anant Dasji Maharaj, the Managing Director of Akshay Patra - UP as the special guest graced the occasion. Around 450 people attended the event.

Braj Prant - Amrit Mahotsav programme

Kanpur

In view of Swadhinata Ka Amrit Mahotsav, 28 day long Bharat Mata Rath Yatra and Bharat Mata Pujan events were held from November 18 - the Birth Anniversary of Rani Lakshmibai to December 16 – the Vijay Divas. Various programs including en mass recital of complete Vande Mataram, lectures, felicitations of the family members of the martyrs, lighting of 75,000 lamps at the Jhansi Fort, lighting of 2,11,000 lamps in Bavan Imli Fatepur, Tiranga rally by women and Paavan Khind Run were held during the 28 day long program.

Odisha Paschim

1. As a part of special Sampark drive, a meeting of the eminent dignitaries and intellectuals of Bolangir district was held on September 9, 2021. Akhil Bharatiya Sah Sampark Pramukh Shri Sunilji Deshpande addressed the invited dignitaries which included eminent figures from the fields of literature, folk, music, stage, sculpture, Para-Olympic participants and sand sculpture artists.
2. As part of the expansion drive, 67 Sangh Parichay Vargs were held in Koraput Vibhag. 3,200 Karyakartas attended. 45 Karyakartas worked as short time Vistarak. The number of Shakhas rose from 250 to 557.

Uttar Bang

During the visit of Param Pujaniya Sarsanghachalak ji in February 2022, Siligudi Nagar had set a target of 50 Shakhas and 50 Milans. To achieve the target, programs like Karyakartas meetings, extensive Pravas, Shakhas in all Bastis on a scheduled day, Bharat Mata Pujan were held since October 2021. As a result of this, 51 Shakhas and 48 Milan were reported during Param Pujaniya Sarsanghachalakji's visit. 237 Karyakartas attended the Baithak.

Uttar Assam

As part of the expansion drive Khand level one day camps were held at 194 places. 18,937 Swayamsevaks from 1,221 Mandals, 2,925 villages and 411 Bastis participated. 466 Mandals, 1,399 villages and 208 Bastis were represented for very first time. Nagar and Khand level Sangh Parichay Varg were held at 96 places in which 2,578 Karyakartas participated.

Dakshin Assam

As part of the expansion drive, Prant Sanchalan Divas was held on January 9, 2022. 3282 Swayamsevaks from 44 Khand, 220 Mandals (46 new Mandals), 10 Nagars, 90 Vastis (6 new Vastis), 231 Shakhas, 88 Milan, 10 Mandali, 618 Villages (161 new Villages) attended the program.

All India Meetings

The Akhil Bharatiya Samanvay Baithak was held in Bhagyangar (Hyderabad) of Telangana on 5, 6, 7 January, 2022. Swayamsevaks working through different organisations in various spheres of life participated. Discussion were held on topics such as success achieved through co-ordinated efforts, situation prevailing in Janjati areas, core thought of organisation and target oriented work, working systems, efforts for social change, dimension of systematic change and setting the right narrative.

After the Pratinidhi Sabha Baithak in March - 2021, Prant Pracharak Baithak was held in July - 2021 at the Deendayal Research Institute Campus, Chitrakoot. Due to Covid-19 restrictions Akhil Bharatiya Adhikaries (Pracharak) and Kshetra Pracharaks were present, while all Prant Pracharaks and other invitees participated online.

The All India Karyakari Mandal Baithak was held in the School Campus of Rashtrothan Parishad situated near Dharwad, Karnataka on 27, 28, 29 October, 2021. Resolution condemning the attack on Hindus in Bangladesh was passed apart from deliberating on present status of work and future plans.

Address by Pujaniya Sarsanghachalak ji at Vijaya Dashmi Utsav, Nagpur 2021

National Scenario

After having gone through the progress report of the Sangha work, it is imperative to have a look at the present national scenario.

Covid-19 Pandemic and the Rehabilitation

The first two waves of the challenge of Covid pandemic that erupted in the March 2020 were extremely painful. It was observed that while the livelihood was severely affected during the first wave, a large number of deaths took place during the second wave. Innumerable number of families had to pass through unprecedented miseries due to physical discomfort born out of the disease and untimely death of their near and dear ones. Serious shortage of beds in the hospitals, lack of various clinical instruments as well as medicine on one side, and, on the other, the economic crisis due to lock down and its impact on trade and industry and the resultant challenge of unemployment- all this created an atmosphere of desperation and serious worries.

In such a situation, not only did the government make every effort to keep the situation under control, but the Swayamsevaks of Sangh, innumerable brothers and sisters of the society and social, Sewa and religious institutions also excellently demonstrated their commitment of social and national duty through wonderful performance with their sensitivity. Swayamsevaks were in forefront in rendering various types of help like supply of medicine, arranging equipments for oxygen, food distribution, blood donation, cremation of dead bodies etc. The Central Government, while interacting with the State Governments from time to time, declared necessary protocols and coordinated official relief operations.

During the trying phase of the second wave, important work of keeping the mind of public optimistic and positive in the country was also done by our Karyakartas. Keeping in mind the possibility of the third wave, a detailed plan of training was prepared, which was meticulously implemented up to the district and Khand (block) level across the country. Swayamsevaks, along with millions of conscious brethren of the society became the organizers and participants of this mass training program. Swayamsevaks also effectively contributed in the success story of more than 150 crore vaccinations to achieve the government's target of 100 percent vaccination. In many other aspects also they played the role of joint planning and cooperation with various social institutions and the official administration.

In the situation arising out of this crisis of COVID, the need for rehabilitation was felt mainly in three areas, they are –

1. Education (obstruction in teaching & learning due to closure of schools and the loss to students thereby)
2. Employment (Problem of unemployment to lakhs and crores of people due to crisis in the fields of trade, industry and transport)
3. Families with miseries and uncertainty (situation created by the death of the bread-winner in the family; future challenge)

In the context of the above three challenges, Swayamsevaks and various organizations in many places have made several efforts to help the people by finding effective avenues.

- Various endeavours took place to keep the continuity of children's education, reading & learning by running Basti Pathshala, free classes etc. But much needs to be done in this regard.
- Governments have tried and are making efforts to overcome the situation by introducing various economic plans to create employment. Although this effort is commendable, yet in such a vast country the challenge is also immense. Best efforts were made by the Swayamsevaks in many urban and rural areas for the creation of small and easy jobs, skill enhancement and necessary training for the same. With the separate and joint efforts of our Gram Vikas karya, Sewa vibhag and various organizations of economic sector, fruitful work has been done in this direction; however, still there is a great need for employment generation. In the resolve of the Atmanirbhar Bharat (country's

self-reliance) and in its realisation, the emphasis of the government and the society, especially the industry and business world should be on according priority to employment generation.

Contemplating new dimensions and possibili–ties of employment, experimentation should be encouraged. It is necessary to lay more emphasis on rural areas, agro-based and cottage industries, handicrafts, small scale industries etc. Planning in this regard is a must, keeping in mind decentrali–zation, environment-friendly approach also.

- To help the distressed families that are facing crisis due to the death of the main earning member, Swayamsevaks have come forward by planning with the help of the society. Many such inspiring works have also been done. Efforts should be made, wherever the need is felt, to reach the government scheme available for children's education, marriage of girl child, caring the aged people, and some arrangements related to livelihood etc.

We have also learned many lessons in this period of pandemic. The experience of living a balanced-life, getting relief from pollution, enjoying pure river, water, air, etc. should not only be a temporary phenomenon but permanent and lasting too, for which the insistence on the suitable lifestyle be kept.

While resolving these challenges of Corona, we should also pay attention to other situations of the nation.

Violence, Mistrust - Barriers to Healthy Democracy

After the declaration of the results of the assembly elections in West Bengal, riots and widespread violence at many places in the state created a gruesome atmosphere. If violence, fear, malice, violation of law become rampant in the society, not only will there be unrest, instability, but democracy, mutual trust etc. will also be destroyed. The events that took place in Bengal last May 2021, were a result of political animosity and religious fanaticism. Election is a competition, the result of which is natural for someone to win and the other to lose. Treating it as the just verdict given by the people, continuing social life with mutual cooperation and trust, is the hallmark of mature democracy. But, abusing the administrative machinery, an attempt to destroy political opponents by giving free rein to hatred and violence, will proved to be costly for the future. That the citizens of one state had to go for a safe haven in the neighbouring state for their safety, is not only a failure of administration but also points to a situation of gross violation of democracy and constitution. Scheduled Castes Commission, Human Rights Commission, Women's Commission and many such institutions have made their enquiries of the incidents in the state of Bengal and prepared reports. We hope that the aggrieved people will get complete justice soon.

Competition is essential in the political field, but it should be in a healthy spirit, and should be within the purview of democracy; the race should facilitate ideological brainstorming, and strengthen the development of society. But the events of the past days, the allegations and counter-allegations in the elections and its language have become a cause of concern. The most condemnable incident of stopping the convoy of the Honourable Prime Minister of the country in the name of farmers' agitation on the main road while he was going for a scheduled program, was certainly a challenge for the security; but at the same time, this heinous act has also raised questions about political decorum, the central-state relation, the sentiment towards constitutional posts, etc.

Divisive Conspiracy - Right Narrative is the Answer

Today in Bharat, while on the one hand, the age-old cultural values, traditions, and the sense of identity, unity and integrity of the country are awakening, and, Hindu Shakti is standing up with self-respect, on the other hand, the inimical forces which do not tolerate this are also conspiring to create a vicious environment in the society. The challenge of increasing divisive elements in the country is also alarming. Efforts are also afoot to weaken the society by rising various fissiparous tendencies in the Hindu society itself. As the census year approaches, there are instances of inciting a group by propagating that "they are not Hindus". In the context of Hindutva, there are conspiracies to make unwarranted allegations by spreading various types of falsehoods.

Malicious agenda is at work to present all these in the country and abroad under intellectual garb. In this background, it is necessary to create effective and strong ideological discourse based on truth and facts about Nationality, Hindutva, its history, social philosophy, cultural values and tradition etc. At the same time, emphasis will also have to be laid on the manifestation of conduct and behaviour relevant to current times, based on Bharatiya values of life in personal, family and social lives, and it is desirable that this endeavour becomes widespread specially among the younger generation. Like-minded persons and forces who agree with this, should also be included in this effort.

Religious fanaticism - a serious challenge

The formidable form of growing religious fanaticism in the country has raised its head again in many places. The brutal murders of activists of Hindu organizations in Kerala, Karnataka are an example of this menace. Series of dastardly acts revealing communal hysteria, rallies, demonstrations, violation of social discipline, custom and conventions under the guise of the Constitution and religious freedom, inciting violence by instigating meagre causes, promoting illegal activities, etc. is increasing.

There appears to be elaborate plans by a particular community to enter the government machinery. Behind all this, it seems that a deep conspiracy with a long-term goal is working. On the strength of numbers, preparations are being made to adopt any route to get their points convinced. All out efforts with organised strength, awakening and activeness to successfully defeat this menace before the unity, integrity and harmony of the society is the need of the hour.

There is continuous information about the planned conversion of Hindus in different parts of the country like Punjab, Karnataka, Tamil Nadu, Andhra Pradesh etc. This challenge has a long history, but, of late, different newer ways of converting new groups are being adopted. It is true that the social and religious leadership and institutions of Hindu society have woken up to some extent and become active to check this trend. It seems necessary to make joint and coordinated efforts in this direction in a more planned manner.

Organised, Awakened Bharat - Glorious Bharat

Despite the above circumstances, Bharat is also experiencing a promising wave of awakening, development and emergence of new positive horizons. A large section of the society which includes the youth, educated community, well meaning people from different segments, is enthusiastically engaged in the task of writing a golden chapter of future Bharat. Many programs conducted with the inspiration of the Amrit Mahotsav of Independence are adding to this enthusiasm. Prominent persons of all categories of society, who meet revered Sarsanghchalak ji, or participate in various events of Sangh, not only express positive agreement in these matters, but are also ready to make their special contribution. For this reason, their eagerness to know the Sangh and come closer to Sangh has also increased in the society. Hence, it is required in the coming days to make our work of Jagran Shreni and Gatividhi more and more effective. In this endeavour, attention will have to be paid to increase the involvement of the Suptashakti (dormant Swayamsevak power), by activating them.

It is imperative to make various meaningful efforts to expand the organization's work in every area and enhance the quality of work. The situation is both conducive and challenging too. The auspicious occasion of the fast approaching centenary year of the Sangh is indicating to upbeat our enthusiasm and multiplication of our courage and power of determination. We have before us a golden opportunity to fulfil our Rashtra Dharma by making the Sangh work victorious. In such an hour, let us take inspiration from these lines of the song...

विजय वाहिनी संघटना का शंख नाद देता संदेश
हिंदु फिर से जाग रहा है जाग रहा है निज परिवेश।

लिए प्रखर संकल्प हृदय में आगे बढ़ते जाएंगे
हिंदुराष्ट्र का गौरव वैभव जगती में प्रगटाएंगे।।

मध्य भारत प्रान्त के स्वर साधक संगम - 2021 के कार्यक्रम में प. पू. सरसंघचालक जी

महाकोशल में आयोजित सेवा भागीरथी के कार्यक्रम में मा. सरकार्यवाह जी

बढ रहें है चरण अगणित ध्येय के पथ पर निरंतर

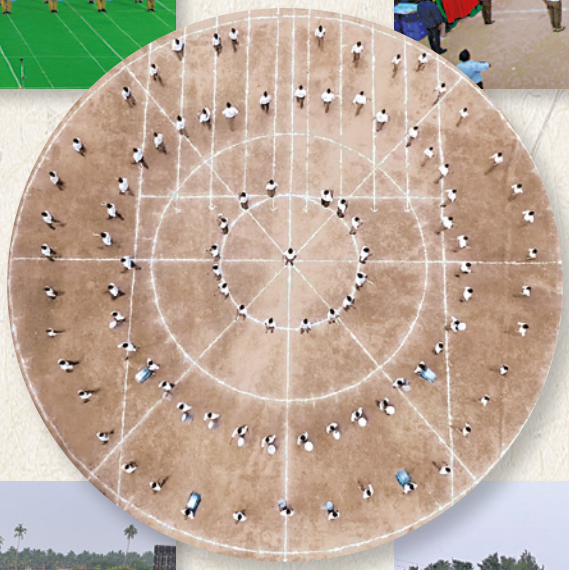

विविध शारीरिक कार्यक्रमों में भाग लेते स्वयंसेवक

प्रकाशक :

समीर क्षीरसागर

प्रधान कार्यालय सचिव

डॉ. हेडगेवार भवन,

महाल, नागपुर 440 032

दूरभाषः (0712) 2723003, 2720150

e-mail: sachivalay@hedgewarbhavanngp.in

www.rss.org

(केवल निःशुल्क वितरण हेतु)

प्रतिवेदन 2021-22

Prativedan 2021-22